द फोटोन न्यूज

हिंदी दैनिक

सच के हक में...

झारखंड की राजधानी रांची से प्रकाशित

रांची ● सोमवार, 17 अप्रैल 2023 ● वर्ष : 01 ● अंक : 91 ● रांची संस्करण ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 ● www.thephotonnews.com

E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुविचार

वीर कभी बड़े मौकों का इंतजार नहीं करते, छोटे मौकों को ही बड़ा बना देते हैं।

सरदार पूर्णसिंह

सनी की फिल्म कैनेडी का कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में होगा प्रीमियर

शेयर बाजार

सेंसेक्स	:	60,431.00
निफ्टी	:	17,828.00

सर्राफा

सोना	:	5,740
चांदी	:	81.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

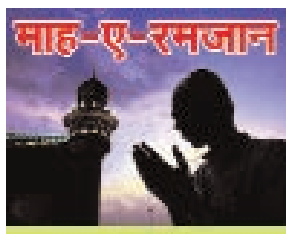

इफ्तार (सोमवार) : 06.11
सेहरी (मंगलवार): 04.07

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री ने अमर वीर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को किया नमन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रविवार को अमर वीर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 क्रांति के दौरान अंग्रेज शोषकों के खिलाफ विद्रोह करने वाले झारखण्ड की माटी के वीर सपूत ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा।

कार चालक ने ट्रैफिक पुलिस को टक्कर के बाद 20 किलोमीटर तक घसीटा

मुंबई : महाराष्ट्र से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा नवी मुंबई शहर में ट्रैफिक पुलिस ने एक कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक ने उसे कथित तौर पर टक्कर मार दी, जिससे पुलिस का जवान कार के बोनट पर फंस गया और करीब 20 किलोमीटर तक घसीटता चला गया। बताया जा रहा है कार चालक मादक पदार्थ का सेवन किया था। पुलिस ने बताया कि चालक की पहचान 22 वर्षीय आदित्य बेम्बडे के तौर पर हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि बेम्बडे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत हत्या की कोशिश समेत अन्य संबंधित धाराओं और एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, घटना शनिवार दोपहर डेढ़ बजे वाशी इलाके में हुई, जब 37 वर्षीय पुलिस नाइक सिद्देश्वर माली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा के मद्देनजर सुरक्षा बंदोबस्त ड्यूटी पर थे।

राहुल गांधी ने अडाणी को बताया भ्रष्टाचार का प्रतीक

कर्नाटक : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कर्नाटक के कोलार में अडाणी समूह के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला किया और दोहराया कि वह केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार से डरते नहीं हैं। आपको दें कि वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान कोलार में गांधी ने मोदी उपनाम वाली एक टिप्पणी की थी, जिसके लिए उन्हें आपराधिक मानहानि का दोषी ठहराया गया था और लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। कर्नाटक विधानसभा चुनावों की 29 मार्च को घोषणा के बाद राज्य की अपनी पहली यात्रा पर आए गांधी ने अडाणी मुद्दे के जरिए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और कारोबारी गौतम अडाणी के साथ मोदी के संबंध के बारे में जानना चाहा। उन्होंने यहां जय भारत रैली को संबोधित करते हुए कहा, मुझे संसद से अयोग्य घोषित कर दिया गया। वे (केंद्र सरकार) सोचते हैं कि वे मुझे हटाकर और धमकाकर डराएंगे। मैं डरने वालों में से नहीं हूं। गांधी ने कहा, जब तक मुझे जवाब नहीं मिलता, मैं यह सवाल पूछता रहूंगा।

फोटो : द फोटोन न्यूज

इफ्तार पार्टी में शामिल हुए सीएम हेमंत और कांग्रेस प्रभारी अविनाश

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झारखंड कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडेय रविवार को क्लब रोड स्थित मिलन पैलेस में आयोजित दावत-ए-इफ्तार में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सभी रोजेदारों को रमजान महीने की बधाई दी। इस मौके पर हेमंत सोरेन समेत सभी आगंतुकों ने राज्य की उन्नति, आपसी भाईचारा, प्रेम -सद्भाव और अमन- चैन की दुआ मांगी। दावत- ए -इफ्तार में मंत्री आलमगीर आलम, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक प्रदीप कुमार यादव, कुमार जय मंगल और शिल्पी नेहा तिर्की समेत कई पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक और नेता शामिल हुए।

72 घंटे आंदोलन को अडिग छात्र संगठन

आज मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव, 19 को झारखंड बंद बुलाया

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन समेत छात्र नेताओं ने 1932 खतियान आधारित स्थानीय और नियोजन नीति की मांग को लेकर 72 घंटे का आंदोलन करेंगे। छात्र संगठनों का आंदोलन 17 अप्रैल से 19 अप्रैल तक चलेगा। पहले दिन 17 अप्रैल को छात्र संगठन मुख्यमंत्री आवास को घेरेंगे। वहीं 18 अप्रैल को शाम में मशाल जुलूस निकालेंगे। वहीं 19 अप्रैल को छात्र संगठनों झारखंड बंद बुलाया है। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने बताया कि सरकार से हम लोग लगातार नियुक्ति और बेरोजगारी भत्ता की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार हमारी मांगों को अनसुना कर रही है। इसलिए हम 72 घंटे का आंदोलन करने के लिए बाध्य हैं। कल सोमवार को मुख्यमंत्री आवास घेराव से आंदोलन की शुरूआत होगी। कहा कि छात्र संगठनों का आंदलन कार्यक्रम इतिहास के पन्नों में दर्ज किया जायेगा। छात्र नेता देवेंद्र महतो ने बताया कि 24 जिलों में नेतृत्व कर रहे संगठनों से रांची पहुंचकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की गयी है। झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन, आदिवासी छात्र संघ, आदिवासी मूलवासी परिषद, आदिवासी जन अधिकार परिषद, सरना समिति और तमाम आदिवासी और छात्र संगठनों ने 72 घंटे के आंदोलन कार्यक्रम को समर्थन दिया है।

15 छात्र नेताओं के खिलाफ जारी किया गया है नोटिस

जिला न्यायालय अनुमंडल दंडाधिकारी सदर रांची ने 15 छात्र नेताओं के खिलाफ नोटिस जारी किया है। ताकि शांति व्यवस्था भंग ना हो। इसमें मनोज यादव, योगेश भारती, सत्यनारायण शुक्ला, शमीम अली, अमरदीप मुंडा, अमर महतो, उमेश यादव, संजय महतो, मोती लाल महतो, सोनू कुमार, विजय कुमार, वर्मा शैलेंद्र यादव, सुमित उड़ाव, कमलेश राम और अनिल महतो का नाम शामिल हैं। इन सभी 15 छात्र नेताओं को नोटिस जारी कर 10 हजार का बॉन्ड भरने और अगले 1 साल तक शांति व्यवस्था कायम रखने को कहा गया है।

जरूरी दवाओं व वेतन पर खर्च के लिए 54 करोड़ रुपये आवंटित

अपर मुख्य सचिव होंगे राशि के नियंत्री पदाधिकारी

- प्राथमिकता के आधार पर मौसमी बीमारी एवं आवश्यक दवाओं की खरीद का निर्देश
- सांप काटने व डॉग बाईट की दवाओं पर ध्यान रखने को कहा गया

वरीय संवाददाता, रांची।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने दवा खरीद, वेतन व्यय समेत स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न मदों में खर्च के लिए 54 करोड़ 35 लाख 92 हजार 600 रुपया का आवंटन किया है। अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने इस बाबत 23 जिले के सिविल सर्जन को आवंटित राशि की जानकारी दी है। राशि की निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी संबंधित जिले के सिविल सर्जन होंगे। राशि के नियंत्री पदाधिकारी अपर मुख्य सचिव होंगे। आवंटित राशि से वेतन, देशीय यात्रा व्यय, कार्यालय व्यय, किराया, वर्दी, चिकित्सीय आपूर्ति और विद्युत व्यय पर खर्च किये जाएंगे। वहीं दवा की खरीदारी में विशेषकर सांप काटने और डॉग बाईट (रैबीज) की दवा की उपलब्धता पर ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

इन जिलों के लिए किया गया है राशि का आवंटन

प्रत्येक जिले को 2 करोड़ 36 लाख 34 हजार 460 रुपए का आवंटन किया गया है। इनमें बोकारो, चाईबासा, चतरा, देवघर, धनबाद, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, गोड्डा, गुमला, हजारीबाग, जमशेदपुर, जामताड़ा, खूंटी, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा, पाकुड़, पलामू, रांची, साहिबगंज, सरायकेला और सिमडेगा जिला शामिल हैं।

दवा खरीद में इन निर्देशों का करें अनुपालन

अपर मुख्य सचिव ने दवा खरीद में विभिन्न निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। इनमें वैसी दवाओं का क्रय किया जाएगा, जिसका दर निर्धारण निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया गया है। दर निर्धारण की वैलिडिटी पीरियड समाप्त नहीं हुई है। मौसमी बीमारी एवं आवश्यक दवाओं को प्राथमिकता दी जाए। आवश्यकता के आधार पर अगले 4 माह तक की दवा खरीदने का निर्देश दिया गया है। अनावश्यक दवाओं की खरीदारी करने पर निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी जिम्मेदार होंगे।

सिमडेगा में उग्रवादियों का तांडव पोकलेन को किया आग के हवाले

सड़क निर्माण का चल रहा कार्य, लेवी नहीं देने पर घटना को दिया अंजाम

क्राइम रिपोर्टर, सिमडेगा।

राज्य में उग्रवादियों का तांडव बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला सिमडेगा जिले के कोलेबिरा थाना क्षेत्र के डुमरडीह गांव की है। यहां पीएलएफआई उग्रवादियों ने सड़क निर्माण में लगी कंपनी के पोकलेन मशीन को आग के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि लेवी नहीं देने पर उग्रवादियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। घटना की सूचना मिलने पर रविवार को कोलेबिरा पुलिस और सिमडेगा पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की तहकीकात में जुट गई।

आपको बता दें कि शनिवार की देर रात पीएलएफआई उग्रवादी डुमरडीह गांव पहुंचे थे। डुमरडीह में ही सड़क निर्माण का कार्य चल रहा था। इस दौरान सड़क निर्माण कंपनी के ठेकेदार से पीएलएफआई के उग्रवादियों ने लेवी की मांग की, लेवी नहीं देने पर उग्रवादियों ने सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीन को आग के हवाले कर दिया। आगजनी के कारण जेसीबी मशीन को काफी नुकसान पहुंचा है।

सिमडेगा में सड़क निर्माण कार्य में लगे इसी पोकलेन को नक्सलियों ने किया आग के हवाले ● फोटोन न्यूज

चाईबासा में आईईडी बरामद

चाईबासा : जिले के गोईलकेरा थानान्तर्गत इचाहातू से ईचागोड़ा जाने वाले जंगल में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की बड़ी साजिश नाकाम कर एक आईईडी बरामद किया है। बाद में सुरक्षा के दृष्टिकोण से आईईडी को बम निरोधक दस्ता के सहायता से नष्ट कर दिया गया। नक्सलियों के खिलाफ रविवार को चलाए जा रहे सर्च अभियान के दौरान यह आईईडी सुरक्षाबलों को लक्षित करने के उद्देश्य से लगाया गया था। इससे पहले आईईडी चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। भाकपा माओवादी संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु चमन, काडे,अजय महतो,सागेन अंगरिया अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में नक्सल गतिविधि को अंजाम देने के लिए घूमते रहते हैं।

चतरा में चार इनामी नक्सलियों ने एक साथ किया सरेंडर

चतरा : नक्सल प्रभावित क्षेत्र में पुलिस के समक्ष चार इनामी नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में पांच लाख इनामी शीर्ष जोनल कमांडर बिहार के गया जिला निवासी अमरजीत यादव उर्फ लखन यादव, पांच लाख का इनामी पलामू जिले के नौडीहाबाजार थाना क्षेत्र के करकट्ठा निवासी संतोष भुइयां, पांच लाख का इनामी चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र निवासी सहदेव यादव और नीरु का नाम शामिल है। बीते साल 22 दिसंबर को चतरा पुलिस ने अमरजीत यादव उर्फ लखन यादव और संतोष भुइयां की संपत्ति कुर्क की थी। गया जिले में स्थित नकटिया में अमरजीत यादव की संपत्ति हंटरगंज थाना में दर्ज मामले में कुर्क की गई थी। वहीं संतोष भुइयां हंटरगंज थाना में दर्ज एक मामले में फरार चल रहा था। नवम्बर 2022 में अमरजीत यादव के घर को पुलिस ने ध्वस्त कर दिया था। उल्लेखनीय है कि तीन अप्रैल को चतरा जिले के लावालौंग थाना ग्रहे वन क्षेत्र में पुलिस और माओवादी उग्रवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई थी, जिसमें स्पेशल एरिया कमेटी सदस्य 25 लाख का इनामी उग्रवादी गौतम पासवान उर्फ प्रवेश पासवान व अजीत उरांव उर्फ चार्लीस उरांव, पांच लाख का इनामी सब जोनल कमांडर नंदू यादव, अमर गंझू एवं संजीत भुइयां मारे गए थे।

ईडी की जांच में जमीन घोटालों का लगातार हो रहा खुलासा, कई रडार पर

ईडी जांच में खुलासा : भू-माफिया और अफसरों ने महंगी जमीन हड़पने के लिए दस्तावेजों में की छेड़छाड़

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में जमीन घोटालों का लगातार खुलासा हुआ हो रहा है। इधर, जांच के दौरान जानकारी मिली है कि भू-माफियाओं और सरकारी अधिकारियों ने महंगी जमीन हड़पने के लिए दस्तावेजों में छेड़छाड की है। सेना भूमि और चेशायर होम भूमि घोटाले की जांच कर रहे ईडी ने विशेष पीएमएलए अदालत को बताया है कि भू-माफियाओं और सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने रांची में महंगी जमीन हड़पने के लिए जमीन के दस्तावेजों में हेरफेर के साथ ही छेड़छाड़ की है। सदर थाना क्षेत्र स्थित चेशायर होम रोड स्थित एक एकड़ भूमि को हड़पने का काम एक बड़े कारोबारी द्वारा अन्य व्यक्तियों की सहायता से जाली दस्तावेज के माध्यम से किया गया है।

इन पर दर्ज हुआ है मामला : चेशायर होम रोड स्थित जमीन के मालिक होने का दावा करने वाले शिकायतकर्ता उमेश कुमार गोप ने पुनीत भार्गव, भरत प्रसाद, राजेश राय, लखन सिंह और इम्तियाज अहमद के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुनीत भार्गव को अवैध पत्थर खनन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए सत्ता दलाल प्रेम प्रकाश का करीबी बताया जाता है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी को अपनी जांच में इस जमीन से संबंधित दस्तावेजों में छेड़छाड़ के सबूत मिले हैं। बताया गया कि कई अन्य जमीन हड़पने के लिए भी जाली दस्तावेज बनाया गया था। उमेश गोप का दावा है कि यह जमीन

सीआई सहित सात लोगों से ईडी ने की पूछताछ

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बरियातू स्थित सेना की जमीन घोटाले मामले में सीआई सहित सात लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। गिरफ्तार सभी लोगों को रविवार को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार से ईडी ऑफिस लाया गया और उनसे से पूछताछ की गई। ईडी के अधिकारी बरामद जमीन के कागजात सहित अन्य सवालों को जानने की कोशिश कर रही है। दरअसल, ईडी ने सेना की जमीन घोटाले मामले में 13 अप्रैल को कारोबारी प्रदीप बागची, सीआई भानु प्रताप, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम लोगों को गिरफ्तार किया था। ईडी ने सभी गिरफ्तार आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच 14 अप्रैल शुक्रवार को कोर्ट के समक्ष पेश किया था। जहां कोर्ट ने सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। शनिवार को ईडी ने कोर्ट से गिरफ्तार आरोपियों की पांच दिनों की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने सिर्फ चार दिनों की रिमांड की ही मंजूरी दी थी।

दफनाए गए अतीक-अशरफ के शव तीनों शूटरों को भेजा गया नैनी जेल

एजेंसी, प्रयागराज।

माफिया से नेता बने अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ अहमद रविवार की रात करीब 8: 30 बजे अपने पिता - परिवार के अन्य सदस्यों की कब्र के बीच दफन कर दिये गये। चार दशक तक आंतक की अति करने वालों के शव पुलिस ने परिवार और रिश्तेदारों को सौंप दिए थे। कसारी मसारी कब्रिस्तान में दोनों भाइयों के सुपुर्द ए खाक की पूरी प्रक्रिया पूरी करायी गयी। अपराध ही नहीं कब्र के लिए भी अतीक अहमद का जनाजा अशरफ के जनाजा से आगे रहा। दफन भी वह छोटे भाई से पहले हुआ। इस दौरान कब्रिस्तान के चप्पे- चप्पे पर पुलिस तैनात रही। आपकों बता दें कि अतीक और अशरफ अहमद की शनिवार को प्रयागराज में तीन शूटरों ने गोली मारकर उस समय हत्या कर दी थी, जब वे पुलिस कर्मियों से घिरे हुए थे। मीडिया बाइट दे रहे थे। तीनों शूटर अरुण मौर्य, सन्नी सिंह और लवलेश तिवारी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यहां अतीक का बेटा अली भी कैद है।

पुलिस कड़ी सुरक्षा में अतीक अहमद के नाबालिग बेटों एहजम व एबाद को बाल सुधार गृह से लेकर कसारी मरारी कब्रिस्तान पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से दोनों बेटों को शव वाहन (एबुंलेंस) में अतीक व अशरफ के शव के साथ ही कब्रिस्तान के अंदर ले जाया गया। अतीक अशरफ परिवार के बहुत करीबी लोगों को ही कब्रिस्तान के अंदर जाने दिया गया है। कब्रिस्तान अंदर जाने वालों में अतीक की बड़ी बहन, उसकी भांजी, अशरफ के बेटा और बेटी और ससुर थे। परिवार की महिलाएं वाहन के अंदर ही रहीं। पुरुष रिश्तेदार भी मीडिया से बचते रहे। अशरफ के ससुर ने बस इतना कहा कि आखिरी मिट्टी देने आए हैं।

मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय के दो सौ मीटर के दायरे में रहेगी धारा 144, आदेश जारी

संवाददारता, रांची।

छात्र संगठनों की ओर से सोमवार को 60:40 नियोजन नीति के विरोध और 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लेकर मुख्यमंत्री आवास और सचिवालय के घेराव की घोषणा की गई है। घेराव कार्यक्रम के मद्देनजर प्रशासन ने दोनों जगहों के आसपास धारा 144 लगा दी गई है। इन दोनों जगहों पर कल सुबह आठ बजे से रात 11:30 बजे तक धारा 144 लागू रहेगी, जिसके तहत 200 मीटर के दायरे में कोई संगठन जुलूस और शक्ति प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे।

इसके तहत मुख्यमंत्री आवास एवं सचिवालय के 200 मीटर की परिधि में किसी तरह के जुलूस, रैली, प्रदर्शन, घेराव आदि आयोजित नहीं किये जा सकेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार सभी छात्र मोरहाबादी मैदान में जुटेंगे और फिर वहां से मुख्यमंत्री आवास घेराव के लिए निकलेंगे। इस घेराव को देखते हुए जिला प्रशासन ने निषेधाज्ञा जारी कर दी गयी है।

झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन प्रमुख देवेंद्रनाथ महतो ने बताया कि छात्रों का यह आंदोलन 72 घंटे का होगा। तय कार्यक्रम के अनुसार सोमवार को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा। वहीं 18 अप्रैल को बंद की पूर्व संध्या पर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। 19 अप्रैल को झारखंड बंद किया जाएगा। इस दिन राज्य भर के युवा सड़क पर उतरेंगे और राज्य सरकार की पॉलिसी का विरोध करेंगे। देवेंद्रनाथ ने कहा कि राज्य सरकार ने नियुक्ति के लिए जो नीति बनायी है, वह राज्य के छात्र हित में नहीं है।

उनका कहना है कि अगर इस नीति के अनुसार नियुक्तियां हुई तो राज्य के युवाओं की नियुक्ति में सेंधमारी हो जाएगी। राज्य सरकार को ऐसी नियोजन नीति बनानी चाहिए जो यहां के युवाओं को नौकरी सुनिश्चित कर सके। नियोजन नीति के विरोध को लेकर युवाओं ने पहले भी आंदोलन किया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में भी आंदोलन किया था। इसके बाद बजट सत्र के दौरान भी आंदोलन किया। राज्य के युवाओं ने 23 मार्च को 60:40 नियोजन नीति का विरोध और 1932 खतियान आधारित स्थानीय नीति को लेकर विधानसभा का घेराव भी किया था।

ये है पाबंदी

- इस क्षेत्र में पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों -कर्मचारियों एवं धार्मिक तथा अंत्येष्टि कार्यक्रम को छोड़कर)।
- किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे- बंदुक, राईफल, रिवाल्वर, पिस्टल, बम, बारूद आदि लेकर निकलना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों -कर्मचारियों को छोड़कर)।
- किसी प्रकार का हरवे-हथियार जैसे लाठी-डंडा, तीर-धनुष, गड़ासा-भाला आदि लेकर निकलना या चलना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों / कर्मचारियों को छोड़कर)।
- किसी प्रकार का धरना प्रदर्शन, घेराव, जुलूस, रैली या आमसभा का आयोजन करना।
- किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना (सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों तथा कर्मचारियों को छोड़कर)।
- 72 घंटे का है छात्रों का आंदोलन

झारखंड के आज और कल दोनों को बर्बाद कर रही है सरकार : सुदेश

संवाददाता, रांची।

मिलन समारोह में बोलते सुदेश महतो व उपस्थित अन्य। ● द फोटोन न्यूज

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि झारखंड के आज और कल दोनों को सरकार बर्बाद कर रही है। आम जनमानस की संभावनाओं, आकांक्षाओं को हकीकत में बदलने की चुनौती तथा राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों का आंकलन करते हुए हम दूरगामी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं। राज्य के अभाव को नेतृत्व देने की एक बड़ी जिम्मेदारी हम सभी पर है। मौजूदा सरकार सवा तीन वर्षों से सिर्फ बातें कर रही है। राज्य में साढ़े तीन लाख से अधिक पद रिक्त हैं, जिसमें दो लाख के करीब शिक्षकों के पद हैं। इससे राज्य की शिक्षा व्यवस्था तथा सरकार की मानसिकता का आंकलन आसानी के साथ किया जा सकता है।

महतो रांची के हरमू स्थित आजसू केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि विधि विभाग के स्पष्ट मंतव्य के बावजूद सरकार ने स्थानीय नीति और आरक्षण के मुद्दे का राजनीतिकरण कर दिया। यह झारखंड की भावनाओं के साथ खिलवाड़ है, जनादेश के साथ धोखा है। उन्होंने कहा कि जन विषयों को लेकर संगठन का संघर्ष जारी रहेगा।

आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुए झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता वीर विजय प्रधान ने कहा कि आजसू पार्टी एवं पार्टी की अनुषंगी इकाई अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ का विस्तार करना ही उनकी प्रतिबद्धता है। इस दौरान 27 अधिवक्ता, सहित कई लोगों ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम का संचालन अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ के रांची जिला अध्यक्ष अजीत कुमार ने किया। मौके पर कई नेता मौजूद थे।

मोदी ने जम्मू-कश्मीर में सरदार पटेल के अधूरे काम को पूरा किया : जितेंद्र सिंह

एजेंसी, नई दिल्ली।

मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का स्वागत करते। ● द फोटोन न्यूज

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में सरदार पटेल के अधूरे काम को पूरा किया है। आज नई दिल्ली में एक भारत श्रेष्ठ भारत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने आजादी के बाद के भारतीय संघ के गठन के लिए 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दुर्भाग्य से पटेल को जम्मू- कश्मीर को संभालने की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू यह सोचते थे कि वह जम्मू-कश्मीर को बेहतर जानते थे। उन्होंने कहा कि बाद में, नेहरू ने भी एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की और इस तरह भारतीय सेना को पाक घुसपैठियों से वर्तमान "पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर" (पीओजेके) को वापस लेने से रोक दिया।

मंत्री ने कहा कि यदि सरदार पटेल को छूट दी गई होती, तो भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास कुछ और ही होता। उन्होंने कहा कि तब पीओजेके न होकर पूरा जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा होता और यह मुद्दा इतने दशकों तक लटका नहीं रहता।

डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35ए की विसंगति 70 से अधिक वर्षों तक बनी रही और देश को प्रधान मंत्री मोदी के आने और कार्य प्रणाली में सुधार करने के लिए इंतजार करना पड़ा। इसमें "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का महत्व निहित है और यह एक संयोग है कि "एक भारत श्रेष्ठ भारत" का विजन 31 अक्टूबर, 2015 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित किया गया था, जो कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती थी।

2024 में एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनने जा रही है सरकार : चौबे

संवाददाता, रांची।

केंद्रीय खाद्य आपूर्ति, वन-पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि जब से केन्द्र की मोदी सरकार में भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसी है, यह सभी ठग बंधन के बहाने एक मंच पर आ रहे हैं लेकिन 2024 में एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने जा रही है। केंद्रीय मंत्री दो दिवसीय झारखंड प्रवास पर रविवार को रांची पहुंचे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा प्रदेश इकाई ने लगातार सड़क से सदन तक राज्य की गठबंधन सरकार की वादाखिलाफी जनविरोधी नीतियों को उजागर करते हुए बड़े आंदोलन किए हैं क्योंकि यहां की सरकार अपने वायदों को पूरा करने में सबसे अक्षम साबित हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य की सरकार आदिवासी, दलित पिछड़ा युवा महिला एवं किसान विरोधी साबित हुई है और इस सरकार को बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि झारखंड में कोविड-19 के दौरान 41.03 लाख मैट्रिक टन अनाज केंद्र की ओर से राज्य की जनता के बीच वितरण किया गया है, जिसका सीधा लाभ 58.41 लाख जनता को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि बिचौलियों एवं फर्जी किसानों से खरीद बंद करने के लिए सूचना एवं प्रौद्योगिकी की मदद से किसानों से सीधे खरीद की जा रही है एवं उनके खाते में डीबीटी के माध्यम से पैसे भेजे जा रहे हैं, ताकि इस समर्थन मूल्य का लाभ किसानों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा को और सशक्त बनाने के लिए एक देश एक राशन कार्ड योजना पर भी तेजी से काम किया जा रहा है, जिससे कोई भी व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में अपने हक से वंचित ना हो।

चौबे ने कहा कि वर्तमान में भारत सरकार ने वन नेशन वन राशन कार्ड के सिद्धांत को भी पूर्ण रूप से लागू कर दिया है, जिसके तहत झारखंड के प्रवासी मजदूर भाइयों को भी बहुत सहायता मिल रही है एवं इसके तहत वे देश के किसी भी कोने में राशन की दुकान से निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न का उठाव कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह आधार से लिंक है ऑफिस में अंगूठे के निशान के माध्यम से खाद्यान्न का उठाव किया जाता है, जिससे हमारे गरीब झारखंड के लोगों को बहुत फायदा मिल रहा है। चौबे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु योजना के तहत राज्य में धनबाद शहर को चुना गया है एवं 2019-20 से 2021-22 तक कुल 6 करोड़ की राशि आवंटित की गई है।

अगला आम चुनाव गांधी और गोडसे की विचारधारा पर होगा : अविनाश पाण्डेय

संवाददाता, रांची।

कार्यक्रम में आये अतिथियों का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

प्रदेश कांग्रेस के 13 दिवसीय जय भारत सत्याग्रह का समापन रविवार को हो गया। रांची जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी की ओर से पुराना विधानसभा मैदान पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। कांग्रेस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने एक मानहानि मामले में दो साल की सजा सुनाये जाने के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द करने पार्टी में रोष है। कांग्रेस ने देशभर में इसके खिलाफ सत्याग्रह किया।

इस मौके पर कांग्रेस के झारखंड प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि इस सत्याग्रह का समापन हो रहा है। मगर यह केवल पड़ाव है। कांग्रेस को यह लड़ाई जारी रखनी होगी। क्योंकि यह लड़ाई राहुल गांधी या कांग्रेस की नहीं है। यह लड़ाई गांधी और गोड्से की विचारधारा से है। वर्ष 2024 का चुनाव भी इसी दो विचारधाराओं को लेकर होगा। यह दूसरी स्वतंत्रता की लड़ाई होगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी शुरू से ही मोदी सरकार की गलत नीतियों का विरोध करते रहे हैं। कांग्रेस को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

पांडे ने कहा कि संविधान को ताख पर रखकर देश में अघोषित आपातकाल का माहौल बना दिया गया है। इसे देश की जनता और पार्टी के कार्यकर्ता कभी सहन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को टारगेट किया जा रहा है, जिस प्रकार से लोकतंत्र की हत्या की जा रही है, इसे देश में तानाशाही नजरिये से महसूस कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में आते ही कांग्रेस काल में खड़ी गयी परिसंपत्ति को गिरवी रखना, बेचने का काम शुरू कर दिया गया। देश की जनता का पैसा अपने बिजनेस पार्टनरों, उद्योगपतियों को देने काम किया गया। जिस कांग्रेस ने अंग्रेजी शासन जैसे तानाशाह शासन का अंत कराया, राजतंत्र का अंत कराया, वही मोदी आज फिर देश में राजतंत्र और तानाशाही को स्थापित करना चाहते हैं, इसे कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी।

केजरीवाल ने राजघाट में कहा-हम बापू के बताए रास्ते पर

एजेंसी, नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी संस्थापक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज सीबीआई के समक्ष पेश होने से पहले महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचे। उन्होंने इसे ट्विटर पर साझा करते हुए कहा कि वहां बापू का आशीर्वाद लिया। हम बापू के बताए रास्ते पर हैं। अन्याय और जुल्म के खिलाफ हम सत्य के रास्ते पर हैं। अंत में जीत सत्य की होगी।

इस मौके पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और सांसद संजय सिंह के अलावा पार्टी के अन्य नेता भी उपस्थित थे। सीबीआई दफ्तर पहुंचने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले कह रहे हैं कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उधर पार्टी के कार्यकर्ता दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पार्टी विधायक नरेश बालियान और प्रवीण कुमार को इस दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया है।

सीएम ने नागथात में मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पूजा-अर्चना कर किया प्रतिभाग, बोले

उत्तराखंड बनेगी देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी

एजेंसी, नई टिहरी।

कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री धामी। ● एजेंसी

जनपद के जौनपुर क्षेत्र के नागथात (बिरोड़) में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी बनेगी। इसके लिए काम किया जा रहा है। हमारे पूर्वजों की अपनी धरोहर को बचाने और उसके संरक्षण में राज्य सरकार महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्हीं के प्रयासों से आज हमारे मेले, त्योहार और संस्कृति जीवित हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी यह बात रविवार को नागदेवता मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम और स्थानीय मेले में पूजा-अर्चना कर प्रतिभाग करने के अवसर पर बोल रहे थे। साथ ही उन्होंने नाग देवता के दर्शन कर प्रदेश और देशवासियों की खुशहाली की कामना की। इससे पूर्व नागथात पहुंचने पर क्षेत्रीय जनता ने मुख्यमंत्री का पूरी आत्मीयता के साथ फूल मालाओं और ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि आज बहुत ही पवित्र दिन है, जब भगवान नागराजा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। हम बहुत भाग्यशाली हैं, जो हमको इस पावन मौके पर भगवान नाग राजा का साक्षात आशीर्वाद मिला है। प्रदेश और प्रदेशवासियों पर भगवान नाग राजा की कृपा हमेशा बनी रहे। उन्होंने कहा कि हमारे मेले-थोलों का इतिहास सैकड़ों वर्ष पुराना है। हमारे पूर्वजों की अपनी धरोहर को बचाने और उसके संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्हीं के प्रयासों से आज हमारे मेले, त्योहार और संस्कृति जीवित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दौर में मेले-थोलों की संस्कृति को नई पीढ़ी के साथ देश-दुनिया में पहुंचाने का काम किया जायेगा। इसके लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता से मेलों के संरक्षण के लिए काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में पर्यटन और तीर्थाटन तेजी से बढ़े, ताकि पलायन पर लगाम लग सके। इसके लिए विभिन्न सर्किट बनाकर धार्मिक और पर्यटन स्थलों को विकसित करने का काम किया जा रहा है। उत्तराखंड को देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी बनाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि युवाओं को उद्यमों और नारी शक्ति को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार की ओर कदम बढ़ाये जा रहे हैं। नाग टिब्बा को पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने का प्रयास तेजी से होगा। राज्य को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने की ओर कदम बढ़ाये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी केदारनाथ की भूमि से यह बात कह चुके हैं कि आने वाला तीसरा दशक उत्तराखंड का होगा।

इस मौके पर विधायक धनोल्टी प्रीतम सिंह पंवार, राजपुर विधायक खजान दास, पुरोला विधायक दुर्गेश लाल ने भी संबोधन किया। मेला समिति ने मुख्यमंत्री को क्षेत्र के प्रतीक फरसा एवं तलवार भेंट की। पूर्व मंत्री नारायण सिंह राणा, डीसीबी अध्यक्ष सुभाष रमोला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मीरा सकलानी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख गीता रावत, डीएम डा सौरभ गहरवार, एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर, सीडीओ मनीष कुमार, एडीएम केके मिश्रा, सीएमओ डा. मनु जैन, एसडीएम लक्ष्मीराज चौहान आदि मौजूद रहे।

नागथात को पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की घोषणा

सीएम धामी ने नागथात बिरोड़ मुंगाथात (अणदणा) अषाड़ थात को पर्यटन क्षेत्र घोषित किया जायेगा। नागथात मन्दिर के प्रांगण का सौन्दर्यीकरण एवं विस्तारीकरण भी किया जायेगा। इसके साथ ही पुरोला विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत डरोगी तक मोटरमार्ग के निर्माण की घोषणा की। कुकड़सारी से भद्रीगाड़ तक मोटरमार्ग निर्माण को भी घोषणा में शामिल किया। क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की अन्य मांगों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया।

ब्रीफ न्यूज

कर्नाटक चुनाव में प्रवासी प्रमुख बनाये गये कोचे मुंडा

खूंटी : तोरपा से भाजपा विधायक कोचे मुंडा को कर्नाटक राज्य के गुलबर्गा विधानसभा क्षेत्र का प्रवासी प्रमुख बनाकर भेजा गया है। रविवार को विधायक कोचे मुंडा कर्नाटक में गुलबर्गा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार दत्तात्रेय पाटिल के घर पहुंचे। यहां उन्होंने पाटिल के पिता की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक मुंडा ने बूथ स्तर के कार्यकताओं से संपर्क कर पार्टी की स्थिति की समीक्षा की और भाजपा उम्मीदवार पाटील के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। कर्नाटक से फोन पर विधायक कोचे मुंडा ने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों की जीत तय है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद भाजपा दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगी। विधायक के साथ भाजपा युवा मोर्चा के गोविंदपुर मंडल अध्यक्ष विनय गुप्ता सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता भी चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अमर वीर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव को किया नमन

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने रविवार को अमर वीर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वर्ष 1857 क्रांति के दौरान अंग्रेज शोषकों के खिलाफ विद्रोह करने वाले झारखण्ड की माटी के वीर सपूत ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा।

दोषी पाए जाने पर केजरीवाल को सजा मिलनी चाहिए : अन्ना हजारे

मुंबई : वरिष्ठ समाजसेवक और स्वतंत्रता सेनानी अन्ना हजारे ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अगर शराब घोटाला मामले में दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अन्ना हजारे यहां अहमदनगर जिले के रालेगढ़ सिद्धि में रविवार को पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया मेरे साथ थे, मैं उनको अच्छी सलाह देता था, लेकिन अब यह लोग हमारे साथ नहीं हैं। मैंने उन्हें शुद्ध आचरण रखने की सलाह दी थी। एक दिन भी ऐसा नहीं बीता कि मैंने उन्हें शुद्ध आचरण करने की सलाह न दी हो। हजारे ने कहा कि इन लोगों ने अपना रास्ता बदल दिया है। सेंट्रल इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (सीबीआई) दिल्ली सरकार के शराब घोटाले की जांच कर रही है। इस मामले में अगर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। अन्ना हजारे ने कहा कि मैं पहले ही केजरीवाल को पत्र लिख दिया था। केजरीवाल को शराब के मुद्दे को छोड़ने के लिए कहा था। शराब ने कभी किसी का भला नहीं किया। धन के लिए कुछ भी करना अनुचित है। हजारे ने यह भी सलाह दी है कि अच्छी चीजों के बारे में सोचना चाहिए।

अखिलेश यादव ने की अतीक अहमद की हत्या की निंदा

लखनऊ : माफिया अतीक अहमद एवं उसके भाई मोहम्मद अशरफ की शनिवार रात अज्ञात बदमाशों द्वारा गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर निशाना साधा है। यूपी के पूर्व सीएम और सपा नेता अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा कि उप्र में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जब पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या। इससे जनता के बीच भय का वातावरण बन रहा है। ऐसा लगता है कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं। वहीं, एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने इलाहाबाद की घटना को अदालत, कानून और संविधान की हत्या बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोर्ट कचहरी सब बंद कर देने चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी की लोगों से शांति बनाए रखने की अपील, रविवार के सारे कार्यक्रम स्थगित

लखनऊ (उप्र) : प्रयागराज में कुख्यात माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद की शनिवार रात गोली मारकर की गई हत्या के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी जिलों में निषेधाज्ञा (सीआरपीसी की धारा 144) लागू कर दी। राज्य के संवेदनशील शहरों पर पुलिस की कड़ी नजर है। विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इस बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रहने की अपील की है। मुख्यमंत्री योगी ने घटना की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के गठन के निर्देश दिए हैं। प्रयागराज में पुलिस ने फ्लैग मार्च किया है। मऊ, मथुरा, कानपुर, अयोध्या, बांदा और लखनऊ में पुलिस ने रात को कई बार फ्लैग मार्च किया। मुख्यमंत्री योगी ने रविवार के अपने सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। वह लगातार प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं। मुख्यमंत्री आवास पर किसी के आने-जाने पर भी रोक लगा दी गई है। साथ ही उनके आवास की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन सामान्य

जम्मू : जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार सुबह से ही छोटे वाहनों की आवाजाही दोनों तरफ से सामान्य रूप से जारी है। इसी बीच बड़े वाहनों को श्रीनगर से जम्मू जाने की ही अनुमति दी गई है। श्रीनगर-लेह राजमार्ग भी वाहनों की आवाजाही के लिए खुल गया है। मुगल रोड अभी यातायात के लिए बंद है। मुगल रोड को साफ करने का कार्य जारी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही मुगल रोड को भी यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल 11 बजे पेश होंगे सीबीआई के सामने

नई दिल्ली : दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार की कथित आबकारी नीति घोटाला मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज सीबीआई के समक्ष पेश होंगे। वह सुबह 11 बजे सीबीआई मुख्यालय पहुंचेंगे। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी जाएंगे। इस बीच सीबीआई मुख्यालय और राऊज एवेन्यू में आम आदमी पार्टी कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केजरीवाल के सीबीआई मुख्यालय जाने से पहले दिल्ली के मंत्री सौरव भारद्वाज और पंजाब विधानसभा अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां उनसे मिलने मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। इस बीच सीबीआई के समन भेजे जाने के बाद सियासत तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी आज प्रदर्शन करने की तैयारी भी कर रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक सीबीआई मुख्यालय के बाहर अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है। साथ ही क्षेत्र में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लागू की गई है। आम आदमी पार्टी कार्यालय और सीबीआई मुख्यालय के पास सड़कों पर अवरोधक भी लगाए गए हैं। सनद रहे सीबीआई इस मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को पिछले महीने गिरफ्तार कर चुकी है।

केजरीवाल के 'भ्रष्टाचार का दस्ताना' अब उतरना चाहिए: संबित पात्रा

भुवनेश्वर : भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार करने से भी वह नहीं छुपता। उन्होंने यह टिप्पणी आज यहां पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में की। डॉ. पात्रा ने कहा कि केजरीवाल को शायद लगता है कि दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार करने से भ्रष्टाचार के बारे में पता नहीं चलता । उन्हें लगता है कि मैंने (केजरीवाल) दस्ताने पहन रखे हैं और वारदात के मौके पर उंगलियों के निशान नहीं छोड़े हैं। उन्होंने ने कहा कि केजरिवाल ने मनीष सिसोदिया के दस्ताने पहन कर भ्रष्टाचार किया । शराब नीति में घोटाला किया । स्वाभविक रूप से अब दस्ताने उतरने का समय आ गया है। जांच एजेंसियां पेशेवर हैं । वह भावनाओं पर नहीं, तथ्यों के आधार पर कार्य करती हैं।

डकैती की योजना बना रहे तीन अपराधी गिरफ्तार, दो फरार

महिंद्रा थार, एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन सहित दो गोलियां बरामद

क्राइम रिपोर्टर, रांची।

जमीन कारोबारी और आम लोगों से लुटपाट और छिनतई करने वाले तीन अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक देशी पिस्टल दो जिन्दा गोली, दो मैगजीन, तीन मोबाईल एवं महिन्द्रा थार वाहन को बरामद किया गया है। इन सामान से संबंधित दस्तावेज नहीं होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने दी। आपकों बता दें कि शनिवार को रांची एसएसपी किशोर कौशल को गुप्त सूचना मिली थी कि रिंग रोड में लॉ कॉलेज के पास एक काले रंग की महिंद्रा थार गाड़ी में कुछ अपराधी डकैती की योजना बना रहे है और सभी हथियार से लैस है। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण एसपी ने कांके थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया और छापेमारी की। इस छापेमारी में पुलिस ने तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार अपराधियों की जानकारी देते रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ● फोटोन न्यूज

बता दें कि टीम ने शाम करीब 5 बजे उस जगह धाबा बोला। पुलिस को देखते ही अपराधी भागने लगे। इसी क्रम में पुलिस ने तीन अपराधियों को पकड़ लिया, जबकि बाकी दो अपराधी भागने में सफल रहे। पुलिस की पूछताछ के दौरान तीनों अपराधियों ने स्वीकार किया है कि वो डकैती की योजना बना रहे थे। साथ ही उन्होंने बताया है कि लुटपाट के क्रम में जब कोई पैसे देने से मना करता था तब वो बंदूक का इस्तेमाल करते थे। तीनों आरोपियों का नाम अमृत टोप्पो, पिता स्व० निकोलसन टोप्पो, सावन टोप्पो, पिता सुखदेन और अनुज टोप्पो, पिता स्व० मरिया टोप्पो सा० नगड़ी माना कांके जिला रांची बताया जा रहा है। इनमें से तीनों गिरफ्तार अपराधी नगड़ी थाना क्षेत्र के ही बताए जा रहे है।

पूर्व में भी जेल जा चुका है गिरफ्तार अपराधी अमृत टोप्पो

गिरफ्तार अपराधी अमृत टोप्पो का पुराना अपराधिक इतिहास रहा है। वो पहले भी जेल जा चुका है। जानकारी हो कि उसके ऊपर पहले से कांके थाना कांड सं0-175/18 में धारा 147/149/341/323/379/427 और कांके थाना कांड सं0-179/21, में धारा-427/506 के तहत मामला दर्ज है।

ईद में फैशन का टेंपरेचर हाई लोग जमकर कर रहे खरीदारी

वरीय संवाददाता, रांची।

रमजान का महीना चल रहा है। इबादतों का दौर जारी है। मुस्लिम परिवार ईद की तैयारी में जुट गया है। इस साल कपड़ों के बाजार में काफी रौनक दिखाई पड़ रही है। फैशन का टेंपरेचर हाई है। दुकानदारों का कहना है कि कोविड के बाद इस साल बाजार में बिक्री जोरो पर है। कपड़ों की दुकानों में भी खासी भीड़ उमड़ रही है। पुरूष, महिलाएं और बच्चे कपड़ों की खरीदारी में लगे हुए है। क्योंकि ईद में सभी लोग नये कपड़े पहनते है। ईद का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है। वैसे-वैसे बाजार गुलजार होने लगा है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार सभी प्रकार की डिजाईन के कपड़े और बच्चों के लिए अकर्षक डिजाईन के कपड़े उपलब्ध है। महिलाएं, पुरूष और बच्चें खरीदारी में लगे हुए है। दुकानदारों का कहना है कि ईद में लोग नये कपड़े पहनने का रिवाज है। बाजार में नये-नये डिजाइन के कपड़े मंगवाएं गए है। पुरूषों में सबसे अधिक डिमांड सूती के कुर्ता पैजामा की है। चाइनिस कोलर में हरे रंग का कुर्ता युवाओं की पहली पंसद है।

कढ़ाईदार कुर्ता-पैजामा की बिक्री सबसे अधिक

लखनऊ के कढ़ाईदार कुर्ता, पैजामा, सलवारसूट, टी-शर्ट, जींस, पेंट की खरीदारी ज्यादा हो रही है। दुकानदारों ने बताया कि गर्मी को देखते हुए इस बार लोग कुर्ता, पैजामा की अधिक मांग कर रहे है। वहीं युवतियों ने चिकन कढ़ाईदार कुर्ती और पैजामा ज्यादा पंसद कर रही है।

रेडीमेड कपड़ों की भी मांग

ईद के त्योहार पर रेडीमेड के अलावा टेलर की दुकानों में लोगों की काफी भीड़ दिखाई पड़ रही है। लोग कपड़े खरीदकर दर्जी के पास रेडिमेट कपड़े सिलवा रहे है। करीगारों की दुकान में दिन-रात सिलाई का काम किया जा रहा है।

ईद को लेकर बाजार में छूट की भरमार

ईद को लेकर इस बार कपड़ों की खरीदारी में छूट की भरमार दिखाई पड़ रही है। माल से लेकर छोटे दुकानों में 20 से 40 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

ब्रीफ न्यूज

10 प्रशाखा पदाधिकारियों का स्थानांतरण

रांची : राज्य सरकार ने झारखंड सचिवालय सेवा के 10 प्रशाखा पदाधिकारियों का स्थानांतरण कर दिया गया है। इनमें पांच एसओ राज्यपाल सचिवालय के भी बदले गये हैं। रविवार को कार्मिक विभाग ने एक अधिसूचना जारी की है। इसके अनुसार आज स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में पांच राज्यपाल सचिवालय में भी पदस्थापित थे। इनके स्थान पर राज्यपाल सचिवालय में पांच नये प्रशाखा पदाधिकारियों की तैनाती भी की गयी है। इनमें कुलदीप टूटी, राजर्षि हांसदा, कृष्ण कुमार भगत, रामाकांत मुंडा, विशाल कुमार मित्तल, अनुराग रवि कुजूर, कौशाल किशोर राय, रंजीत कुमार, सिदार्थ कुमार उपाध्याय और दीपक उरांव हैं।

योगदा सत्संग महाविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता आज से

रांची : रांची के योगदा सत्संग महाविद्यालय में 17 और 18 अप्रैल को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विभिन्न खेल स्पद्धाओं में 218 छात्र-छात्राओं ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है।

नामकुम से दो नाबालिग छात्राएं लापता, जांच में जुटी पुलिस

रांची : रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के तेतरीढोली कैलाश नगर में रहनेवाली दो नाबालिग छात्राएं घर से लापता हैं। दोनों की उम्र लगभग 14-15 वर्ष है और लोवाडीह स्थित कार्मेल स्कूल की छात्रा है। पहली छात्रा ने मैट्रिक की परीक्षा इसी वर्ष दी है और दूसरी सातवीं कक्षा में है। दोनों के परिजनों ने थाना में लिखित शिकायत की है। दूसरी नाबालिगं छात्रा अपने घर में रखे जेवर एवं कुछ नगद रुपए भी साथ में ले गई है। पुलिस शिकायत के आधार पर छानबीन में जुटी है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य संभावित क्षेत्रों में सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि कुछ सुराग हाथ लग सके। नामकुम थाना प्रभारी सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों की तलाश की जा रही है।

तमाड़ पुलिस ने 1972 केजी डोडा किया बरामद

रांची : अनुमंडल के तमाड़ थाना क्षेत्र के एदेलपीड़ि मोड़ के समीप तमाड़ पुलिस ने 1972 केजी डोडा बरामद किया है। दरसल रविवार को एदेलपीड़ि के समीप दो मैक्स पिकअप गाड़ी में डोडा लोड कर गुजरने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंच गयी पुलिस को देख दोनों ड्राइवर भाग खड़े हुए। जब्त डोडा 116 बोरा में बंद कर रखा गया था। दोनों पिकअप गाड़ियों का नंबर जेएच01एएक्स 9828 लिखी हुई है। मामले को लेकर बुंडू डीएसपी अजय कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना के आधर पर यह पता चला कि तमराना जंगल से डोडा निकाले जाने की सूचना प्राप्त हुई थी जिसके बाद देर रात रेकी कर उक्त गाड़ियों को पकड़ा गया है।

पीएम आवास शहरी के लाभुकों को कैंप लगाकर लोन उपलब्ध कराएं : सचिव

रांची : नगर विकास सचिव विनय कुमार चौबे ने राज्य में पीपीपी मोड पर चल रही योजनाओं और एफॉरडेबल हाउसिंग की योजना की प्रगति को तेज करने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। सचिव ने सभी नगर निकायों को निर्देश दिया कि लाभुकों का शेयर नही मिलनें के कारण लाभुक घर नही ले पा रहे हैं। इसलिए आप बैंक कों के साथ बातकर कैंप लगाकर लोन उपलब्ध कराइए।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24, Roshpa Roshpa Tower, Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

झारखंड बोर्ड 10वीं व 12वीं परीक्षा : 21 अप्रैल से शुरू होगी कॉपियों की जांच

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा खत्म हो चुकी है। 10वीं की परीक्षा 14 मार्च 2023 को शुरू हुई थी, जो 3 अप्रैल 2023 तक चली। वहीं, 12वीं की परीक्षा 14 मार्च 2023 से 5 अप्रैल तक चली। इस साल मैट्रक इंटर की परीक्षा में लाखों छात्र शामिल हुए। झारखंड बोर्ड के तहत मैट्रिक इंटर का एग्जाम देने वाले सभी छात्रों को अब रिजल्ट जारी होने का इंतजार है।

21 अप्रैल से मैट्रिक और 23 अप्रैल से इंटर की कॉपियों की जांच : परीक्षा खत्म होने के बाद झारखंड एकेडमिक काउंसिल कॉपियों की जांच की प्रक्रिया में जुट गया है। जानकारी के मुताबिक, मैट्रिक के कॉपियों की जांच 21 अप्रैल से और इंटर की कॉपियों की जांच 23 अप्रैल से शुरू होगी। कॉपियों की जांच के लिए बोर्ड ने विभिन्न जिलों में मूल्यांकन केंद्र बनाएं हैं। जहां सुरक्षा का खास ध्यान रखा जाएगा।

सीसीटीवी की निगरानी में होगी कॉपियों की जांच

जानकारी के मुताबिक कॉपियों की जांच सीसीटीवी की निगरानी में होगी। जेक कभी भी सीसीटीवी फुटेज मांग सकता है। वहीं, जैक ने जिले के डीसी और डीईओ को पत्र लिखकर मूल्यांकन केंद्र के बाहर सुरक्षा बलों को तैनात करने को कहा है। मूल्यांकन केंद्र में बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

जून तक आ सकता है रिजल्ट

कॉपियों की जांच के बाद रिजल्ट का एलान किया जाएगा। उत्तर पुस्तिकाओं की जांच पूरी होने में 3-4 सप्ताह का समय लग सकता है। जांच के बाद परिणाम घोषित करने के लिए भी विभिन्न प्रक्रियाएं होती हैं। ऐसे में परीक्षा का परिणाम जून 2023 तक मिलने की संभावना है। परिणाम की घोषणा होने के बाद छात्र जैक के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना रिजल्ट देख सकते हैं। इसके अलावा एसएमएस के जरिए भी रिजल्ट चेक किया जा सकता है।

अवैध वसूली करने वाली रांची नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम पर एफआइआर दर्ज करने की मांग

नगर आयुक्त को आवेदन देकर की गई कार्रवाई की मांग

वरीय संवाददाता, रांची।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत आवेदक दीपेश कुमार निराला को प्राप्त सूचना के आलोक में उन्होंने संपूर्ण मामले की जांच हेतु नगर आयुक्त, रांची नगर निगम शशि रंजन को आवेदन देकर इंफोर्समेंट टीम के लोगों द्वारा अब तक पब्लिक और दुकानदारों से वसूले गए लाखों रुपए की जुमार्ना राशि का हिसाब नहीं मिलने और रांची नगर निगम में इसकी सूचना संधारित नहीं होने पर प्राथमिकी दर्ज करवाकर इसकी जांच करवाने का आग्रह किया है। विदित हो कि दिनांक 06.08.2022 के अखबार में प्रकाशित खबर ₹लोगों से अवैध वसूली करने वाले इंफोर्समेंट टीम के 12 लोग चिन्हित, कार्रवाई का निर्देश₹ के आलोक में दिनांक 10.02.2023 को सूचना अधिकार कार्यकर्ता दीपेश कुमार निराला ने एक सूचना आवेदन लगाकर इंफोर्समेंट टीम कि उक्त समीक्षा बैठक की कार्यवाही सहित मेयर द्वारा उन चिन्हित लोगों पर कार्रवाई हेतु दिए गए निर्देश के आलोक में हुए कृत-कार्रवाई की सूचना के साथ-साथ इंफोर्समेंट टीम के लोगों की नियुक्ति का प्रावधान और उनका पुलिस के समान हू-ब-हू खाकी वर्दी पहनने का प्रावधान एवं उनके द्वारा अब तक रांची नगर निगम क्षेत्र के पब्लिक और दुकानदारों से वसूली गई समस्त जुमार्ना राशि का सूचना और उनसे संबंधित दस्तावेजों की सर्टिफाइड कॉपी की मांग की गई थी, जिसके आलोक में रांची नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त सह जन सूचना पदाधिकारी ने अपने पत्रांक 333 दिनांक 27.03.2023 के जरिये आवेदक को बताया कि उक्त सूचना संधारित नहीं है।

इंफोर्समेंट टीम के द्वारा आम पब्लिक और दुकानदारों से की गई वसूली का क्या हुआ : सवाल उठता है कि लाखों रुपए की जुमार्ना राशि की वसूली जो इंफोर्समेंट टीम के लोगों के द्वारा आम पब्लिक और दुकानदारों से वसूली की गई है उक्त रुपये का क्या हुआ? लाखों रुपए की राशि किसके पास है? इसे लेकर दीपेश कुमार निराला ने इस मामले को प्रथम दृष्टया सरकारी राशि का गबन प्रतीत होते हुए, इसकी संपूर्ण जांच और कार्रवाई हेतु नगर आयुक्त को प्राथमिकी दर्ज करवाने का अनुरोध किया है।

बिरसा जैविक उद्यान में गर्मी से निजात के लिए की गई समुचित व्यवस्था, जानवरों को होगा ठंडक का एहसास

वरीय संवाददाता, रांची।

राजधानी रांची में गर्मी कहर बरपा रहा है। दिनों-दिन पारा बढ़ता जा रहा है। बढ़ती गर्मी से लोग तो हलकान हैं ही, वहीं जू के जानवर भी परेशान हैं। लेकिन, जू प्रबंधन की ओर से जानवरों के लिये गर्मी में विशेष प्रबंध किये गये हैं। बिरसा जू में रहने वाले शेर, बाघ और तेंदुए समेत तमाम जंगली और शाकाहारी जानवरों के लिए जरूरी उपाय किए गए हैं। बिरसा जू के चिकित्सक डॉ। ओम प्रकाश साहू ने बताया कि शेर, बाघ और तेंदुए के बाड़े के बाहर कूलर, पंखे और एक्जॉस्ट फैन लगाए गये हैं। वहीं, उनके खानपान और एनर्जी लेवल मेंटेन रखने के लिए भी विशेष उपाय किए गए हैं।

बिरसा जैविक उद्यान में पानी में खेलता हाथी ● फोटोन न्यूज

जानवरों के भोजन की मात्रा कम कर ज्यादा दिया जा रहा है तरल पदार्थ : बिरसा जू में इस समय कुल 9 बाघ, चार शेर और 8 तेंदुए हैं, जिनके रख-रखाव और सेहत को लेकर बिरसा जू प्रबंधन गंभीरता से जुटा है। बिरसा जू में बाघों की देखभाल करने वाले संजय कुमार ने बताया कि गर्मी के दिनों में जानवरों के भोजन की मात्रा कम कर दी जाती है। उसके बदले उन्हें तरल पदार्थ ज्यादा दिया जाता है ताकि शरीर में वाटर लेवल मेंटेन हो। बिरसा जू में रहने वाले पंछियों और भालू हाथी समेत दूसरे जंगली जानवरों के बाड़े के ऊपर पुआल की छावनी लगायी गई है। इनके लिए भी पौष्टिक और मल्टी विटामिन आहार की व्यवस्था की गई है।

पिंजरे और बाड़े में बनायी गयी है पुआल से छावनी : बिरसा जू मे रहने वाले कुल 1580 जानवरों के पिंजरे और बाड़े में पुआल से छावनी की गई है, खासकर गर्मी के दिनों में जंगली जानवरों की सेहत और उनके एनर्जी लेवल को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है। शरीर में पानी का स्तर मेंटेन रहे, इसके लिए जंगली जानवरों को ग्लूकोन-डी भी दिया जा रहा है।

झारखंड में दारोगा, सार्जेंट मेजर और समकक्ष की नियुक्तियों का रास्ता साफ, 946 पदों पर होगी बहाली

वरीय संवाददाता, रांची।

झारखंड पुलिस में दारोगा, सार्जेंट मेजर और समकक्ष कंपनी कमांडर के रिक्त 946 पदों पर नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव को गृह विभाग ने जेएसएससी को भेज दिया है। अब जेएसएससी के माध्यम से नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के लिए विज्ञापन प्रकाशित कर अभ्यर्थियों से आवेदन मांगा जायेगा। पूर्व डीजीपी नीरज सिन्हा के समय यह प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय ने गृह विभाग को भेजा था। फिर गृह विभाग ने इस प्रस्ताव को जेएसएससी को भेज दिया था। लेकिन, नियोजन नीति में बदलाव होने के कारण जेएसएससी ने पुलिस मुख्यालय से नये नियम के तहत संशोधित प्रस्ताव भेजने को कहा था। इसके बाद पुलिस मुख्यालय ने नयी नियोजन नीति के तहत संशोधित प्रस्ताव तैयार कर गृह विभाग को भेजा था, जिसे गृह विभाग ने जेएसएससी को भेज दिया है। अब जेएसएससी द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किये जाने के पूर्व की सारी प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय ने कांस्टेबल के पद पर नियुक्ति के लिए प्रस्ताव तैयार करने की कवायद शुरू कर दी है।

2012 में 380 और 2018 में 2580 पदों पर हुई थी सीधी बहाली

झारखंड अलग राज्य बनने के बाद यहां पर दारोगा व समकक्ष पदों पर पहली बार 2012 में 380 पदों पर व 2018 में 2580 पदों पर डायरेक्ट बहाली हुई थी। इसके अलावा विभागीय सीमित परीक्षा के जरिये आरक्षी से दारोगा में प्रोन्नति के लिए 1544 पदों पर बहाली निकाली गयी थी। लेकिन, इसमें 396 पदों पर ही आरक्षियों का चयन हो सका। कैबिनेट ने विभागीय सीमित कम से कम दो बार आयोजित करने की मंजूरी दी थी, लेकिन दोबारा यह परीक्षा नहीं हुई। 2012 में हुई दारोगा बहाली की प्रक्रिया में गड़बड़ी की बात सामने आयी थी। मामला हाइकोर्ट में गया। कोर्ट के आदेश पर घोषित परिणाम में बदलाव कर बहाली प्रक्रिया पूरी की गयी।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी लाइब्रेरी का लेंगे लाभ

मॉडल और आदर्श स्कूलों में बन रही लाइब्रेरी: पुस्तकालयों में किताबें ही नहीं कंप्यूटर भी होंगे, 464 स्कूलों में होगी सुविधा

वरीय संवाददाता, रांची।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी लाइब्रेरी का लाभ लेंगे। उनके लिए सरकार तमाम तैयारियां कर रही है। स्कूलों में बेहतरीन लाइब्रेरी डेवलप की जा रही है। जहां केवल किताबें ही नहीं कंप्यूटर भी होगा। जल्द ही इसका लाभ स्टूडेंट्स लेने लगेंगे। अभी ऐसी लाइब्रेरी 80 स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, 325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय और 59 मॉडल स्कूलों में देखने को मिलेगी। इन स्कूलों में लाइब्रेरी सुसज्जित कीजा रही है। इन स्कूलों की लाइब्रेरी की आधारभूत संरचना को दुरुस्त किया जा रहा है। 80 स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, 325 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालय और 59 मॉडल स्कूलों में लाइब्रेरी के लिए फर्नीचर सहित अन्य जरूरत के सामान उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। इसके लिए नयी दिल्ली की कंपनी का चयन किया गया है। कंपनी का नाम मेसर्स मेथोडेक्स सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड है। इसी कंपनी को सभी 464 स्कूलों में लाइब्रेरी फर्नीचर उपलब्ध करने को कहा गया है। संस्थान इसकी आपूर्ति कर रही है। इसके लिए स्कूल वार फर्नीचर की निर्धारित संख्या भी दी गई है।

सांकेतिक तस्वीर

ऐसा होगा लाइब्रेरी का सेटअप

उन्नत लाइब्रेरी के लिए हर प्रकार के स्कूल में स्कूल वार किस तरह के और कितने फर्नीचर लगाए जाएंगे, इसे निर्धारित कर दिया गया है। मेसर्स मेथोडेक्स सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से उसी के अनुसार फर्नीचर दिए जाएंगे। 80 स्कूल ऑफ एक्सिलेंस और मॉडल स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए 30 कुर्सी, पांच रिडिंग टेबल, 10 बुक केस, दो अलमारी, एक ऑफिस टेबल, एक कंप्यूटर टेबल, दो ऑफिस कुर्सी और एक न्यूज पेपर स्टेंड अलॉट किया गया है। कंपनी को इसी तरह का सेट सभी स्कूलों में लगाना है। वहीं, 245 प्रखंड स्तरीय आदर्श विद्यालयों में 20 कुर्सी, चार रिडिंग टेबल, पांच बुक केस, एक अलमारी, एक ऑफिस टेबल, एक कंप्यूटर टेबल, एक ऑफिस कुर्सी और एक न्यूज पेपर स्टेंड दिया जाएगा।

विभाग निरीक्षण भी करेगा

कंपनी की ओर से सेटअप लगा देना ही काफी हो जाएगा। स्कूलों में जैसा तय किया गया है, ठीक वैसा ही सेटअप है या नहीं इसकी जांच भी होगी। सभी स्कूलों को सख्त निर्देश है कि फर्नीचर की आपूर्ति के बाद इसका मिलान कर जानकारी देंगे। वहीं विभाग की टीम स्कूलों में जाकर इसकी क्वालिटी की भी जांच करेगी। जिस सैंपल के आधार पर कंपनी को यह काम दिया गया था उस पर वह खरा उतरी है या नहीं यह भी देखा जाएगा।

रांची एयरपोर्ट विस्तारीकरण में बाधक बन रहे 126 अतिक्रमणकारी

30 अप्रैल के बाद एक्शन लेगी सरकार

वरीय संवाददाता, रांची।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची के विस्तारीकरण के लिए जमीन की जरूरत है। इसके लिए जिला प्रशासन, रांची की ओर से पहल भी हो रही है। भू- अर्जन (वाद सं- 06/2008-09, 07/2008-09, 08/2008-09) प्रक्रिया के तहत मुआवजा के साथ जमीन का अधिग्रहण भी किया गया है। पर इसके बावजूद अतिक्रमणकारी इसमें बाधा बन रहे हैं। अंचल पदाधिकारी, नामकुम (रांची) के मुताबिक भूमि अर्जन के बावजूद अतिक्रमणकारियों का दखल कब्जा बरकरार है। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची के विस्तारीकरण से प्रभावित व्यक्तियों को बंदोबस्ती पर्चा निर्गत है। अंचल कार्यालय की ओर से अब इस संबंध में कहा गया है कि 30 अप्रैल 2023 तक अतिक्रमणकारी अपना अतिक्रमण हटा लें। ऐसा नहीं करने पर जिला प्रशासन एक्शन लेगा। लोक भूमि अतिक्रमण अधिनियम 1956 के सुसंगत धारा के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

इतने लोगों ने कर रखा है अतिक्रमण

सीओ कार्यालय के मुताबिक बिरसा मुंडा एयरपोर्ट, रांची के विस्तारीकरण के लिए हेथू मौजा में जमीन की जरूरत है जिस पर अतिक्रमण है। कार्यालय की ओर से 126 विस्थापितों की सूची जारी करते कहा गया है कि इन लोगों ने अर्जित जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है। इनमें संतोष प्रसाद शर्मा, दीपिका झा, बिनीता देवी, संजय सिन्हा, साधो उरांव, जतरा लिंडा, पंचु साहू, धरमू खलखो, फौदा तिर्की, पंचु लोहरा, करमा लोहरा, वीरसा टोप्पो सहित अन्य विस्थापितों के भी नाम शामिल हैं।

सरायकेला में आग लगने से आठ दुकानें जलीं, लाखों का नुकसान

संवाददारता, सरायकेला।

सरायकेला-खरसावां जिलान्तर्गत आदित्यपुर थाना क्षेत्र के गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक के समीप शनिवार रात बोलायडीह मार्ग पर आग लग जाने से आठ दुकानें जलकर राख हो गई। इस आगलगी में उन दुकानों में रखे लाखों रुपए के सामान समेत हजारों नकद रुपए भी जल गए।

भीषण आग से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों को काफी देर बाद हुई। पास ही मुढ़ी कंपनी के एक कर्मचारी की नजर जब भयंकर रूप से उठ रही आग की लपटों पर गया तो उसने

गम्हरिया लाल बिल्डिंग चौक के समीप लगी आग में जलती दुकानें। ● द फोटोन न्यूज

तत्काल अन्य सहकर्मियों को इसकी जानकारी दी। शोरगुल सुनकर काफी संख्या में जुटे दुकानदारों ने इसकी सूचना आदित्यपुर पुलिस, अग्निशमन विभाग समेत आग लगे दुकानों के संचालकों को दी। साथ ही, अपने अपने दुकानों में रखे पानी से आग को बुझाने का प्रयास भी किया।

इसी बीच मौके पर पहुंची पुलिस और झारखंड अग्निशमन विभाग के दमकल के अथक प्रयास के बाद भीषण आग पर काबू पाया गया। लेकिन तबतक सभी दुकानें व सामान जलकर राख हो चुकी थी। इस आगलगी में सबसे अधिक क्षति मुन्ना पेपर एजेंसी के संचालक मुन्ना साहू को हुई। उसकी दो दुकानें समेत उसमें रखे करीब तीन लाख रुपए का पूजा सामान, 40 हजार का ग्लास, प्लेट और अन्य सामान, करीब पांच हजार रुपए का फल, तीन टेबल पंखा, कंप्यूटरीकृत वजन मशीन समेत पांच सौ नकद जल गया। उसने बताया कि इस आगलगी में करीब पांच लाख की क्षति हुई है।

मनोज कुमार का दुकान सहित खाली गैस सिलेंडर, पंखा, वर्तन और करीब चार हजार रुपए नकद (कुल करीब 70 हजार), वर्फी देवी का दुकान समेत करीब पांच हजार का सामान, परशुराम का दुकान समेत करीब 15 हजार का सामान, दिनेश गोराई का दुकान समेत करीब तीन हजार का सामान, रमेश चाय दुकान का करीब 30 हजार का सामान, रंजीत दास का दुकान समेत करीब 30 हजार रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

आशंका व्यक्त की जा रही है कि पास से गुजर रहे झारखंड राज्य विद्युत बोर्ड के बिजली के तारों या जुस्को के विद्युत तारों के शॉट सर्किट होने के कारण यह आग लगी। क्योंकि वहां स्थित जुस्को का पैनल भी पूरी तरह जल हुआ है।

बोकारो : सिटी सेंटर स्थित कोजी स्वीट्स व होटल हिलटॉप के पास ताबड़तोड़ फायरिंग

संवाददारता, बोकारो।

जिले के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के सिटी सेंटर स्थित कोजी स्वीट्स और होटल हिलटॉप के पास शनिवार देर रात बाइक सवार अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। लगातार छह राउंड गोली चलाने से वहां हड़कंप मच गया। इसके बाद अपराधी फरार हो गए।

सेक्टर 4 थाना प्रभारी पूनम कुजुर ने बताया कि कोजी स्वीट्स और होटल हिलटॉप के पास फायरिंग होने की खबर मिली। होटल हिलटॉप में मौजूद किसी ने सेक्टर 4 पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर सेक्टर

घटना स्थल पर जांच-पड़ताल करती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

4 थाना प्रभारी और सेक्टर 9 थाना प्रभारी दल बल के साथ पहुंच छानबीन में जुट गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर जायजा लिया और जांच के दौरान पांच खोखे बरामद किए। होटल के ऊपर लगे शीशा पर गोलियां चलाई गई हैं, जिससे होटल का शीशा टूट गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही लोगों से भी पूछताछ कर रही है।

झारखंड फोटो जर्नलिस्ट एसोसिएशन का चुनाव संपन्न

संवाददाता, रांची

झारखंड फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन का चुनाव रविवार को इंदिरा गांधी चौक स्थित सामुदायिक भवन में संपन्न हुआ, जिसमें झारखंड फोटोजर्नलिस्ट एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा शत-प्रतिशत वोट किया, वोटिंग 12 बजे से लेकर 2 बजे तक चली, जिसके बाद वोटों की गिनती हुई।

चुनाव में नियुक्त किये गये पदाधिकारी कृष्णा सहाय एवं राजीव चौबे के देख रेख में शांति पूर्वक चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव सचिव पद के लिए सैयद रमीज एवं संजीव मिश्रा के बीच वोटिंग हुआ

चुनाव जीते हुए अधिकारी व अन्य सदस्य ● द फोटोन न्यूज

जिसमें रमीज को विजय घोषित किया गया। बाकी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए।

चुनाव जीतने वाले पदाधिकारीयों में रतन लाल अध्यक्ष, अमित दास उपाध्यक्ष, सैयद रमीज जावेद सचिव, मनोरंजन सिंह सह सचिव व संजय कपरदार कोषाध्यक्ष ने जीत हासिल किया। जिसके बाद एसोसिएशन के सदस्यों ने सभी विजेताओं एवं पदाधिकारियों को बूके व माला देकर बधाई दी साथ ही फोटोजर्नलिस्टों की समस्याओं पर विचार करने की बात कही गई। वहीं सभी सदस्यों, विजेताओं एवं पदाधिकारियों ने पूर्व अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव को बूके देकर विदा किया।

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की दो दिवसीय प्रांत स्तरीय कार्यशाला संपन्न, केंद्रीय संगठन महामंत्री रहे उपस्थित

विश्वहिंदू परिषद् बजरंग दल द्वारा आयोजित प्रांतस्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आज दूसरा दिन था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विश्वहिंदू परिषद् बजरंग दल के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री विनायकराव देशपांडे उपस्थित हुए।

जिला संगठन मंत्री छोटू वर्मा की उपस्थिति में हुए इस कार्यक्रम में विशिष्ट अथिति के रूप में राष्ट्रीय सह संयोजक सूर्यनारायण राव, क्षेत्रीय संगठन मंत्री आनंद कुमार, क्षेत्र संयोजक जन्मजय कुमार एवं प्रांत कार्याध्यक्ष तिलकराज मंगलम मंचस्थ होकर सर्वप्रथम भारतमाता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर वहां उपस्थित पदाधिकारियों को बौद्धिक के माध्यम से देश की वर्तमान परिस्थिति में उनका दायित्व और समाज के प्रति उनकी जिम्मेवारियों को याद दिलाया।

मुख्य अतिथि के रूप में मनचस्थ विनायकराव देशपांडे ने कहा की आज पूरे देश में बदलते जाति समीकरण और धर्मपरिवर्तन

कार्यशाला में उपस्थित विश्व हिंदू परिषद के सदस्य। ● द फोटोन न्यूज

को रोकने में बजरंग दल की अहम भूमिका रहने वाली है। पूर्वी और दक्षिणी भारत भारत सहित झारखंड,बंगाल,ओड़ीसा जैसे राज्यों में आए दिन डर अथवा लोभ में होती धर्म परिवर्तन की खबरें हमारे संगठन के हीं आप जैसे युवाओं से सुनने और अखबारों में पढ़ने को भी मिलता है, जिसको रोकने में बजरंगदल के कार्यकताओं जिम्मेवारी लेनी होगी और आपने समय समय पर इसको साबित भी किया है।

साथ हीं उन्होंने कहा की आज जरूरत न सिर्फ धर्मपरिवर्तन को रोकने की है बल्कि किसी भी कारणवश अपना धर्मपरिवर्तन कर चुके लोगों को पुनः घरवापसी की जिम्मेवारी भी आज बजरंगदल के कार्यकताओं को उठानी होगी। मारवाड़ी धर्मशाला में द्वितीय दिवस का समापन शस्त्र पूजन के बाद किया गया।

वहीं दूसरी तरफ रामगढ़ के होटल लॉ मैरिटल के सभागार में विश्वहिंदू परिषद दुगार्वाहिन मातृशक्ति सेना की बैठक हुई जिसमें संगठन के उपरोक्त सभी पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति और बौद्धिक से दुगार्वाहिनी मातृशक्ति बहनों को समाज में अपनी उपयोगिता दशार्ने के गुर दिए।

राष्ट्रीय एवं प्रांतस्तरीय पदाधिकारियों के सभागार में पहुंचते हीं पुष्पवर्षा कर दुगार्वाहिनी की बहनों ने सभी का स्वागत किया। दोनों कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने हेतु सभी वरिष्ट पदगाधिकारियों ने मिलकर जिला मंत्री रामगढ़ छोटू वर्मा तथा जिला सह संयोजक को विशेष शुभकामनाएं देते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया ।

आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रांत संगठन मंत्री देवी सिंह, प्रांत मंत्री डॉक्टर वीरेंद्र साहू, प्रांत सह मंत्री रंगनाथ महतो, प्रांत संयोजक दीपक ठाकुर, प्रांत साप्ताहिक मिलन प्रमुख संजय चौबे, मनोज सिंह, प्रांत विद्यार्थी संपर्क प्रमुख अमित पासवान, विकास सिंह, सोनू सिंह, भवानी सिंह, सूरज साहू, गणेश शंकर विद्यार्थी, मिथलेश्वर मिश्रा, तरुण वर्मा, भागीरथ पोद्दार एवं जिला सह संयोजक दीपक मिश्रा उपस्थित हुए।

जंगली फल केंद बेचकर आदिवासी महिलाएं कर रही हैं अतिरिक्त आय

केंद फल बेचती महिला। ● द फोटोन न्यूज

संवाददाता, हजारीबाग।

झारखंड, ओडिशा व छत्तीसगढ़ के जंगलों में फलने वाला केंद फल इन दिनों गांव और शहर में काफी मात्रा में बिकता दिख रहा है। गर्मी के मौसम में जंगली फल केंद को बेचकर महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं।

कटकमसांडी की आदिवासी महिलाओं के लिए गर्मी का मौसम लाभदायक होता जा रहा है। जंगल में मिलने वाला केंद फल अपने अनूठे स्वाद और पौष्टिकता से भरपूर बाजार में खूब बिक रहा है। आमतौर पर इसे केंद या केंदु फल कहा जाता है। कटकमसांडी की आदिवासी महिलाएं इस जंगली फल को तोड़कर स्थानीय बाजारों और पास के शहरों में बेचती हैं। इन फलों की बिक्री से गरीब आदिवासियों को कुछ रुपयों की अतिरिक्त कमाई हो जाती है, वहीं शहरी लोगों को भी जंगलों के इन फलों का देसी स्वाद मिल जाता है। फिलहाल हजारीबाग में इसकी कीमत 25 से 30 रुपये प्रति किलो है। केंद को जंगल का मेवा कहा जाता है, लोग इसे सूखा कर भी लोग खाते हैं। इसके साथ ही यह कई बीमारियों में भी लाभदायक करता है। गर्मी के मौसम में इसका सेवन करने से लू से भी बचाव होता है।

गुमंद में कलश यात्रा का आयोजन

रामगढ़ : पूर्व नियोजित कार्यक्रम के तहत ग्राम मोढ़ा में महादेव मंडा शिव मंदिर के ऊपर गुमंद में कलश स्थापना को लेकर कलश यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के मांडू विधानसभा प्रभारी श्री दुष्यंत कुमार पटेल उपस्थित हुए यात्रा मंदिर परिसर से निकलकर मोड़ा बस्ती के विभिन्न टोला महलों से होते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर पूजा अर्चना के पश्चात यात्रा समाप्त की गई उसके बाद प्रसाद के रूप में खीर का भोग का वितरण किया गया इस यात्रा में मुख्य रूप से बहादुर बेदिया दशरथ बेदिया सुंदरलाल बेतिया राजू बेदिया प्रदीप रजक महेंद्र तूरी छोटू महतो सरवन कुमार भीम बेदिया हीरालाल बेदिया सुखराम बेदिया भुनेश्वर बेदिया भुनेश्वर साहू सुरेश बेदिया रमेश बेदिया हीरालाल बेदिया दिलीप बेदिया देवकी बेदिया भोला करमाली किशोर करमाली गिरधारी बेदिया रूपलाल बेदिया इत्यादि सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल रहे।

हिन्दुओं को शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा से होना होगा परिपूर्ण : दीपक

संवाददारता, रामगढ़।

रामगढ़ शहर में हिंदू समाज पार्टी के बैनर तले हिन्दू जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। रविवार को संगठन के लोगों ने थाना चौक, नईसराय, रांची रोड, मरार में कार्यक्रम किया। हिन्दू समाज पार्टी के पदाधिकारियों ने पोस्टर और बैनर के जरिये हिन्दुओ को जागरूक करने का प्रयास किया। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पंकज भारती ने किया और संचालन सूरज बर्णवाल ने किया। पार्टी के नेता दीपक सिसोदिया ने कहा कि हिन्दुओं को शस्त्र और शास्त्र से परिपूर्ण करना होगा। जिससे हर हिन्दू अपने और अपने परिवार की रक्षा कर सके। क्योंकि रामगढ़ सहित पूरे देश में एक विशेष धर्म समुदाय लोगों के द्वारा जिहाद के नाम पर जंग छेड़ी गई है।

जिलाध्यक्ष पंकज भारती ने कहा कि धर्म परिवर्तन हो या लव जिहाद या जमीन जिहाद इसको रोकने और इससे लड़ने वाला एकमात्र हिन्दुओ का संगठन हिन्दू समाज पार्टी है। पार्टी सिर्फ षड्यंत्र रचने वाले को जेल पहुंचाने तक ही नहीं बल्कि उनके विरुद्ध न्यायालय में सजा के लिए लड़ रही है।

महर्षि मेंही आश्रम में 15 दिवसीय ध्यान साधना शिविर का समापन

सद्गुरू का दिया ज्ञान ही सच्चा ज्ञान : स्वामी गंगाधरजी महाराज

संवाददाता, खूंटी।

महर्षि मेंही आश्रम मलियादा में ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज के सानिध्य में पंद्रह दिवसीय ध्यान साधना शिविर का समापन रविवार को हो गया। प्रातः काल की स्तुति-प्रार्थना के पश्चात सत्संग प्रवचन में स्वामी गंगाधर जी ने कहा कि देव दुर्लभ मानव जीवन बड़े भाग्य से मिलता है। सत्संग जीवन का सार है, सद्गुरु द्वारा बताया गया ज्ञान ही वास्तविक ज्ञान है। इससे सद्चरित्रता-सज्जनता आती है। सच्चा जीवन जीने की कला मिलती है, दुःखों से छुटकारा मिलता है।

उन्होंने कहा कि सरहुल पूजन

स्वामी गंगाधरजी महाराज की फाईल फोटो

पर्व या अन्य त्योहार हमें परमात्मा की भक्ति तथा नियम पर चलने की प्रेरणा देते हैं। स्वामी वैष्णोवानंदजी, स्वामी, स्वामी बालकृष्ण, स्वामी ओमकार, लोदरो बाबा, सरयू केशरी, फतेहचंद अग्रवाल, डॉ डीएन तिवारी, जगन्नाथ मुंडा ने भी गुरु सत्संग और ध्यान की महिमा बताई। कार्यक्रम में रांची, नगड़ी, टाटीसिलवे, बंदगांव सहित आसपास के सत्संगी उपस्थित थे। अतिथि के रूप में सीनियर डीएसपी अनुदीप सिंह ने भी संतों का आशीर्वाद लिया।

सभी के लिए भंडारे की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुचीराय मुंडा, मंगल सिंह मुंडा, कांडे मुंडा, विष्णु मुंडा, नंदिनी देवी, रुक्मणि देवी, देवमन पूर्ति, चमरा मुंडा, हरिसिंह मुंडा, सुरेश पंडित, सामू पाहन, मुटरू मुंडरी, पसना मुंडा ने योगदान दिया।

राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी निकालेगी परशुराम शोभायात्रा

संवाददाता, मेदिनीनगर।

राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी की बैठक में शहर के बारालोटा से भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा निकालने का निर्णय गया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल होंगे। रविवार को बारालोटा में आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रमंडलीय संरक्षक श्यामाकांत तिवारी ने की। बैठक में कहा गया कि इस बार ऐतिहासिक जन्मोत्सव शोभायात्रा निकालने के लिए राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी परिवार कृतसंकल्पित है।

बारालोटा में आयोजित बैठक में उपस्थित लोग। ● द फोटोन न्यूज

बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी, शोभायात्रा आयोजन समिति के अध्यक्ष संतोष तिवारी, जिला संरक्षक आनंद तिवारी, राजीव उपाध्याय, अजीत तिवारी, शैलेश पांडेय के साथ बबलू तिवारी, अजय तिवारी, दिनेश पांडेय, सुशील तिवारी के साथ कई ग्रामीण मौजूद थे।

दूसरी ओर हमीदगंज, आजाद नगर और आबादगंज क्षेत्र में भी रविवार को विप्र लोगों को आमंत्रित करने का अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व प्रदेश कोर कमेटी सदस्य नवीन तिवारी, शैलेश तिवारी, चंदन तिवारी, उमाकांत मिश्रा, सिटू पाठक और सतीश दूबे सहित कई लोग शामिल थे।

ब्रीफ न्यूज

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर

शिविर में जानकारी देते मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मिथिलेश कुमार सिंह। ● द फोटोन न्यूज

रांची : बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा, होटवार, रांची में रविवार को जेल अदालत-सह-विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए माननीय न्यायालय, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मिथिलेश कुमार सिंह ने कानून की जानकारी दी। वहीं शिविर को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची राकेश रंजन, माननीय न्यायालय, अक्षय शर्मा, रेलवे न्यायिक दण्डाधिकारी, सौरभ त्रिपाठी एवं डीएन शुक्ला, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, राँची ने भी सम्बोधित किया। जागरूकता शिविर में उपस्थित कारा अधीक्षक हामिद अख्तर ने कहा कि किसी भी बंदी को कोई परेशानी है तो वे उनसे सम्पर्क कर सकते है। उन्होंने कहा कि सरकारी अविधक्ता या कारा में कोई परेशानी हो तो उनका शीघ्र समाधान किया जायेगा। आज के जेल अदालत में छोटे अपराध के कुल-06 (छह) बंदियों के 07 (सात) वादों को माननीय न्यायालय के समक्ष रखा गया, जिसमें 03 (तीन) वादों का निष्पादन किया गया।

जेल में इफ्तार पार्टी का आयोजन, मांगी अमन की दुआएं

इफ्तार पार्टी में शामिल कैदी। ● द फोटोन न्यूज

रांची : बिरसा मुंडा केन्द्रीय कारा, होटवार, राँची में आज दिनांक-16 अप्रैल 2023 को इफ्तार पार्टी का आयोजन कारा अधीक्षक हामिद अख्तर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें सभी ने अमन की दुआएं मांगी। मौके पर कारापाल, मुख्य उच्च कक्षपाल अवधेश सिंह सहित सुदर्शन लकड़ा, नवीन कुमार पाण्डेय, पवन कुमार, रवि कुमार कारा कर्मी एवं बंदी राम विनोद सिन्हा, बबलू अंसारी, श्याम मुखी, मो0 जसीम अहमद, मो0 शाहीद हाफिज, मो0 यावर, दसरू कोंकल, बोल्तास मिंज, फिलीप भेंगरा, कृष्णा लोहरा, शाहबुद्दीन बेग, अहमद हुसैन उपस्थित थे।

पंचायती राज दिवस पर बोरी बांध प्रतियोगिता आज से

खूंटी : राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर खूंटी जिला परिषद की ओर से 17 से 19 अप्रैल तक बोरी बांध प्रतियोगिता और स्वच्छ पंचायत प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में उप विकास आयुक्त और जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक नीतीश कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में अन्य तरह की प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय प्रतियोगिता के आधार पर जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा इसकी समीक्षा करी जाएगी और सबसे प्रदर्शन करने वाली तीन पंचायतों को पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार दिया जाएगा।

विद्या विहार पब्लिक स्कूल ने जीती टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता

खूंटी : तोरपा क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में स्कूल स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन शनिवार को किया गया। आयोजन का उद्देश्य स्कूल स्तर के प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और तोरपा क्रिकेट अकादमी में निःशुल्क प्रशिक्षण देना है। टूर्नामेंट में सता टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी स्कूल तोरपा और विद्या विहार गरई रनिया के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी तोरपा ने 10 ओवर में 10 विकेट खोकर 35 रन बनाए। जवाब में विद्या विहार गरई रनिया 23 रन बनाकर ऑलआउट हो गयी। फाइनल मुकाबला महात्मा एनडी ग्रोवर डीएवी तोरपा 12 रन से जीत कर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि हॉकी और फुटबॉल के नाम से मशहूर तोरपा और रनिया जैसी जगह में स्कूली बच्चों में क्रिकेट के प्रति रुझान देखकर अच्छा लगा।

कंप्यूटर के विद्यार्थियों के बीच किया गया प्रमाण पत्र का वितरण

खूंटी : तोरपा रोड खूंटी टोली स्थित जेआइआइटी एकेडमी कम्प्यूटर सेन्टर में रविवार को छह माह का डिप्लोमा कम्प्यूटर कोर्स और अन्य कोर्स पूरा करने वाले विद्यार्थियों के बीच प्रमाणपत्र वितरण किया गया। संस्थान के संचालक बिरेन्द्र नाग ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में 65 विद्यार्थियों के बीच कम्प्यूटर प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र के साथ उत्कृष्टता पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इनमें सैम राहुल तोपनो को प्रथम, एसव कंडुलना को द्वितीय और सायना नाज को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। संचालक द्वारा बताया गया कि अगले कोर्स जैसे एडीसीए, डीटीपी, टैली, टाइपिंग एवं अन्य कोर्स करने वाले विद्यार्थियों के लिए कम फीस में कोर्स कराया जाएगा।

जेल अदालत एवं जागरुकता शिविर का आयोजन

खूंटी : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली और झालसा रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी द्वारा उपकारा खूंटी में रविवार को जेल अदालत एवं कानूनी जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। जेल के कई कैदियों ने अपने लंबित मामलों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डालसा के सचिव मनोरंजन कुमार ने कहा कि सभी कैदियों का विचारन बहुत तेजी से हो रहा है और कैदी अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने वादों को जल्द से जल्द निपटारा कराएं। उन्होंने कहा कि सभी कैदियों को न्यायालय में चल रहे मामले की जानकारी रखने का अधिकार है। आप को निशुल्क न्याय देना हमारा कर्तव्य है, बशर्ते आप हक लेने के लिए आगे आएं। आप सभी कानूनी विश्वास करते हैं और यह आपके धैर्य की परीक्षा भी है। आप समय का सदुपयोग करते हुए पढ़ने-लिखने की आदत डालें। मौके पर डालसा चीफ राजीव कुमार ने कहा कि डालसा की ओर से सभी मामले की कार्यवाही अब डालसा द्वारा निष्पादित की जा रही है।

सरायकेला : ठाकुर दास ज्वेलरी शॉप में चार लाख की चोरी

सरायकेला : सरायकेला थाना अंतर्गत सरायकेला- टाटा मुख्य मार्ग पर दुगनी स्थित ठाकुर दास एंड संस ज्वेलर्स में बीते शनिवार देर रात चोरों ने चार लाख के आभूषणों की चोरी कर ली। मामले की सूचना मिलते ही सरायकेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह जब दुकान मालिक सदानंद सोनार दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने शटर का ताला टूटा पाया और दुकान में रखे करीब चार लाख के सोना-चांदी के आभूषण गायब पाया। इसके बाद वे तत्काल इसकी जानकारी आसपास के लोगों को देते हुए सरायकेला थाना पहुंचे और लिखित शिकायत दर्ज कराया। फि लहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार की रात भी चोरों ने कांझा स्थित ठाकुर ज्वेलर्स में ताला तोड़कर चोरी का प्रयास किया था। वहां असफल रहने के बाद चोरों ने दुगनी के ठाकुर दास एंड संस ज्वेलर्स में चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

जीवन रक्षक क्लिनिक का हुआ उद्घाटन, सेवा हुई शुरू

मेदिनीनगर : कम खर्च में समूचित इलाज करना बहुत बडा मानवीय धर्म है और इसके लिए जीवन रक्षक क्लिनिक बधाई की पात्र है। यह कहना है राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के प्रदेश कोर कमेटी सदस्य अरजुन पांडेय का। वे रविवार को स्थानीय रेलवे स्टेशन मार्ग में जीवन रक्षक क्लिनिक के उदघाटन समारोह में बोल रहे थे। मौके पर क्लिनिक के संचालक देवेंद्र तिवारी और प्रवीण पाठक ने बताया कि इस क्लिनिक में देश के सभी सुप्रसिद्ध डॉक्टर का आनलाईन सुविधा उपलब्ध है, जो विडियो कांफ्रेंस के द्वारा मरीज को अपनी सुविधा देंगे। वहीं सरकारी दर पर जांच की सुविधा भी क्लिनिक में उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि क्लिनिक में 350 डाक्टर का पैनल मौजूद है जो विभिन्न रोग के विशेषज्ञ हैं और काफी कम लागत पर 24 घंटे मरिजों की सेवा में उपलब्ध है। उदघाटन समारोह में राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी के नवीन तिवारी,संतोष तिवारी,मनीष तिवारी,शैलेश तिवारी, विकास दूबे और नीलकमल सहित कई लोग उपस्थित थे।

पिठोरिया में मंडा के सफल आयोजन के लिए बैठक

रांची : महादेव मंडा पूजा समिति पिठोरिया की एक आवश्यक बैठक मधु साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से समिति के पदाधिकारियों का चयन किया गया। नवनिर्वाचित समिति इस प्रकार है- अध्यक्ष जितेंद्र साहू, महामंत्री अमरेश महतो, सचिव राम प्रसाद गोप, कोषाध्यक्ष ब्रजकिशोर साहू के अलावे दर्जन भर लोगों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि बुजुर्गों को संरक्षक बनाया गया है। समिति के निर्णय के अनुसार 27 अप्रैल को जनेऊ धारण का कार्यक्रम होगा। 28 अप्रैल की रात फुल कुदी व भक्ति जागरण और 29 अप्रैल को झूलन सह मेला एवं रात्रि में नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मंडा पूजा में पूजा का सारा विधि विधान पुरोहित पीतांबर गोसाई के नेतृत्व में हो रहा है।

श्री श्री प्राचीन शिव मंदिर के प्रथम वार्षिकोत्सव समारोह में शामिल हुए गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी

रामगढ़ : रामगढ विधानसभा क्षेत्र के परसोतिया स्थित श्री श्री प्राचीन शिव मंदिर का प्रथम वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी उपस्थित हुए। कमिटी के सदस्यों द्वारा अतिथि का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी भगवान शिव के समक्ष माथा टेककर क्षेत्र के सुख समृद्धि के लिए भगवान से आशीर्वाद लिए। मौके पर चंद्रप्रकाश चौधरी ने बताया कि इस तरह के आयोजन से क्षेत्र के लोग भक्ति भाव मे लीन हो जाते है, लोगों की समस्त दुख प्रभु हर लेते हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो, दिनेश कुशवाहा, लक्ष्मण प्रसाद कुशवाहा, अरुण अग्रवाल, लक्ष्मी प्रसाद कुशवाहा, नन्दकिशोर कुशवाहा, कुलदीप वर्मा, कमिटी अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद, सचिव विक्रम कुशवाहा, कोषाध्यक्ष दयालु महतो, जितेंद्र प्रसाद कुशवाहा आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

जहरीली शराब से मौत के बाद गांव में सन्नाटा

पूर्वी चंपारण में जहरीली शराब से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। घटना के बाद से ही गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। लोगों के बीच दहशत है। घटना से जुड़े कई लोगों को पुलिस ने अपनी हिरासत में लिया है। लोगों को डर है कि कहीं पुलिस उनको भी न उठा ले। शनिवार की रात दैनिक भास्कर की टीम ने जिला मुख्यालय से लगभग 8 किमी दूर पांच हजार की आबादी वाले लक्ष्मीपुर गांव तक पहुंची। रात 10 बजे तक जिस गांव में लोग जागते थे वहां अब 8 बजे ही घरों में कैद हो गए थे। भास्कर की टीम ने गांव का जायजा लाया और कुछ ग्रामीणों से बातचीत करने का भी प्रयास किया। टीम मोतिहारी से आठ किलोमीटर दूर लक्ष्मीपुर गांव पहुंची, यहां जहरीली शराब पीने से एक साथ चार लोगों की मौत हुई है। रात के आठ बज रहे थे, गांव में चारों ओर सन्नाटा था। एक भी ग्रामीण सड़क पर नजर नहीं आए। गांव में प्रवेश करने के साथ ही पहला घर शराब तस्कर जाटा राम का था। घर के बाहर अंधेरा पसरा था। भास्कर ने परिजनों से बात करना चाहा, लेकिन कोई घर से बाहर नहीं

आया। गांव का जायजा लेने के दौरान ही आगे बढ़ने पर देखा गया कि गाड़ी की आवाज सुनते ही एक दो घर के बाहर जो लाइट जल रही थी, वह भी बंद कर ली गई। टीम आगे बढ़ी तो रास्ते में एक व्यक्ति मिला। पहले गाड़ी देखकर वह भी डरा। मुश्किल से बातचीत करने पर बताया कि जब से शराब पीने से गांव में लोगों की मौत हुई है तब से रात में ही पुलिस की टीम आ रही है। जो बाहर दिखता उसे उठाकर ले जा रही है। इसी डर से सभी सहमे हुए हैं। लोगों ने बताया कि गर्मी के दिन में अमूमन सभी दस बजे तक बाहर सड़क पर टहलते थे, लेकिन जब से घटना घटी है तब से आठ बजे ही गांव की लाइट बंद हो जा रही है। दहशत का आलम यह है कि गांव के लोग मीडिया से कैमरे पर बात करने से डर रहे थे कि कहीं पुलिस उठा कर न ले जाए। अब तक गांव के आधा दर्जन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। भास्कर ने काफी प्रयास किया तो गांव के किरण राम कैमरे के सामने बात करने को तैयार हुए। हालांकि उन्होंने भी कैमरे के पीछे तो बहुत कुछ बोला, लेकिन ऑन कैमरा कुछ भी बोलने से कतराते दिखे। किरण के बुलाने पर गांव के दो तीन लोग घर से बाहर तो आए, लेकिन उनके भी चेहरे पर पुलिस का खौफ दिख रहा था। बातचीत के दौरान किरण राम ने बताया कि गांव में तो शराब नहीं बनती थी, लेकिन चोरी छिपे बाहर से लेकर बेचा करते थे। जाटा राम जिसकी शराब पीने से मौत हुई है, वही शराब लाकर गांव में बेचने का काम करता था। गांव के ही गणेश पासवान ने बताया कि जाटा राम सब को बुला कर गेहूं की कटनी करने गया था।

मुजफ्फरपुर में दिल्ली की निर्भया जैसी हुई थी दरिंदगी, दादा-दादी की हत्या में फंसे माता-पिता

26 अप्रैल 2022 की रात 8 बजे अचानक 17 साल की इंटर की स्टूडेंट घर से गायब हो गई। 3 घंटे बाद अनजान नंबर से कॉल आई। लड़की के पापा ने फोन अटेंड किया। उधर से बेटी की कंपकंपाती आवाज आई...दो बार पापा-पापा बोलकर वह छोड़ दो..प्लीज छोड़ दो बोली..फिर फोन कट हो गया। यह बेटी की आखिरी कॉल थी। परिवार ने बेटी को पूरी रात तलाशा, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सुबह घर से 2 डट दूर पोखर में लड़की के मिलने की खबर आई। लड़की जिंदा मिली, लेकिन जिंदगी मौत से बदतर थी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। दर्द से कराहती लड़की बयान दिए बिना ही दम तोड़ दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने निर्भया कांड की याद ताजा कर दी। मर्डर की मिस्ट्री सुलझी भी नहीं थी कि 30 नवंबर 2022 को स्टूडेंट के दादा-दादी का एक साथ मर्डर हो गया। मिस्ट्री सुलझने के बजाए और उलझती चली गई। स्टूडेंट की हत्या में जो गवाह थे, वही डबल मर्डर में आरोपी हो गए।

शिक्षक अभ्यर्थियों का घेरा डालो-डेरा डालो आंदोलन शुरू

बिहार में शिक्षक नियुक्ति के लिए जारी नियमावली को लेकर रविवार को पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर सीटीईटी और बीटीईटी पास अभ्यर्थी एकजुट हुए हैं। शिक्षक अभ्यर्थियों ने इस आंदोलन की शुरूआत आंबेडकर जयंती के अवसर पर की थी और आज सड़कों पर आंदोलन करेंगे। धरना स्थल पर हजारों की संख्या में अभियर्थी मौजूद हैं जो कि सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए आंदोलन करेंगे। बीपीएससी के जरिए अब शिक्षकों की नियुक्ति होनी है, इसे लेकर ही कैंडिडेट्स के बीच आक्रोश है और वो सरकार से इसे वापस लेने के लिए कह रहे। बिहार प्रारंभिक युवा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष दीपांकर गौरव ने बताया कि रविवार से शिक्षक अभ्यर्थी घेरा डालो, डेरा डालो आंदोलन करेंगे। बताया कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होती, तब तक शिक्षक अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री के आवास पर डेरा डालेंगे। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष नितेश पांडेय ने कहा कि चार वर्षों से तमाम जरूरी योग्यता के बावजूद शिक्षक अभ्यर्थी सड़क पर हैं। अब नई

नियमावली के बहाने शिक्षा विभाग शिक्षकों की बहाली को लटकाना चाह रहा है। संयोजक कुमार सत्यम ने बताया कि नई नियमावली से सातवें चरण के शिक्षक अभ्यर्थियों को मुक्त रखा जाए। चार सालों से सीटेट, बीटेट, एसटीइटी पास शिक्षक अभ्यर्थी बहाली का इंतजार कर रहे थे, कई बार बड़े आंदोलन भी किया। शिक्षक अभ्यर्थियों को अब बिहार में शिक्षक बनने के लिए एक और परीक्षा देनी पड़ेगी। नई शिक्षक भर्ती नियमावली के कैबिनेट में पास होने के बाद से ही इस पर विपक्ष भी हमलावर है। बीजेपी के राज्यसभा सांसद और पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने भी इस मामले में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे अभ्यर्थियों के साथ एक भद्दा मजाक करार दिया है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से इसे वापस लेने की भी मांग की है। सरकार ने नई नियमावली को तीन महीने के बाद मंजूरी दे दी। शिक्षकों की नियुक्ति बीपीएससी के माध्यम से होगी जो राज्य स्तरीय परीक्षा लेगा। सीटीईटी, एसटीईटी और टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थी परीक्षा में अधिकतम 3 बार बैठ सकेंगे। बहाल शिक्षक सरकारी कर्मी कहलाएंगे। इन्हें सरकारी कर्मियों की तरह अनुकंपा लाभ भी मिलेगा। नई नियुक्ति नियमावली आज से ही प्रभावी हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक (नियुक्ति, स्थानांतरण, अनुशासनिक कार्रवाई एवं सेवाशर्त) नियमावली 2023 की मंजूरी दे दी गई थी। राज्य में वर्ष 2006 से अब तक नगर निकाय संस्था और पंचायती राज संस्था अंतर्गत शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित नियमावली लागू थी।

बारुण प्रखंड मुख्यालय पर संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा का धरना

औरंगाबाद। प्रखंड कार्यालय बारुण में संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा बिहार के तत्वाधान में संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा बारुण के शिक्षकों ने धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया ।कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल टाइगर जिला उपाध्यक्ष सह प्रखंड अध्यक्ष परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ बारुण ने किया तथा संचालन अरविंद कुमार प्रखंड अध्यक्ष बिहार राज्य प्रारंभिक शिक्षक संघ के द्वारा किया गया। शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कहा कि बिहार सरकार ने जो अध्यापक नियुक्ति नियमावली 2023 जारी किया है उसमें 400000 नियोजित शिक्षकों को पहले सामंजित करें तथा सीटेट बीटेट शिक्षक अभ्यर्थियों को जिला संवर्ग में मेधा सूची के अनुसार नियुक्त करें तथा सभी नियोजित शिक्षकों को राज्य कर्मी का दर्जा दे नहीं तो संयुक्त शिक्षक संघर्ष मोर्चा बिहार के आह्वान पर जाति जनगणना का प्रखंड के शिक्षक पूर्ण बहिष्कार करेंगे और नियमावली वापस होने तक चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा आज की बैठक में नरेंद्र कुमार सिंह कृष्णा राम, अरविंद कुमार ,रविंद्र कुमार ,कामेंद्र कुमार ,राजेश कुमार सिंह, वीरेंद्र कुमार, धीरेंद्र कुमार ,दूधनाथ सिंह ,जयप्रकाश सुरेंद्र कुमार राकेश कुमार यार अंसारी शिवकुमार हेमंत कुमार निराला सुधीर कुमार सिंह ,शशि प्रसाद किशोर ,संतोष सिंह, छठु सिंह सहित सैकड़ों शिक्षकों ने प्रदर्शन में भाग लिया।

सल्लू खान ने रोजा रख गरीबों के घरों में पहुंचाया उनको पीने का ठंडा पानी

औरंगाबाद। बेतहाशा गर्मी में जिला एवं शहरी के लोग पानी संकट से जूझ रहे इस समस्या को देखते हुए कांग्रेसी नेता मोहम्मद शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान उनके साथ अन्य लोगों ने शनिवार को कड़ाके की धूप में समस्या ग्रस्त वार्ड निशुल्क पिकअप वाहन से आरो का ठंडा अपने माथे पर लादकर घर घर जाकर ठंडा पानी पहुंचाया लोगों को काफी राहत मिला। कांग्रेसी नेता सल्लू खान ने कहा कि पिछले 2 दिन पूर्व से चौक चौराहे पर जिला के भी घर घर जाकर ठंडा पानी पहुंचाया हूं। शुक्रवार का तापमान डिग्री सेल्सियस 44 गर्मी तापमान है।स्थिति यह है कि पानी के अभाव में नागरिक शहर छोड़ रहे हैं पाने के लिए सभी मोहल्ले में हंगामा मचाए हुए हैं 120 फीट की गहराई वाले हैंड पाइप बेकार पड़े हैं हालात बदतर होते जा रहे हैं परंतु स्थिति यह है कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग और नगर परिषद चुपचाप बैठा है कई मोहल्ले में बाल्टी भर पानी के लिए नागरिक हर जगह करते हैं शहर

के कहीं ऐसा मोहल्ला है स्थिति अत्यंत गंभीर है शहर में पानी की सप्लाई के लिए दोनों विभाग ने टैंकर से बटवा ना मुनासिब न समझा। करोड़ों की लागत से भारतीय तपिश ने स्थानीय ठेकेदारों के द्वारा नल जल योजना में हुए घोटाले का पोल फ्लॉप है जिले में बिहार सरकार का महत्वकांक्षी नल जल योजना शहर में 500 सौ से अधिक लगभग हैंड पाइप लगे हैं परंतु सभी हैंड पाइप खराब पड़े हैं सिर्फ कुछ ही हैंड पाइप लोगों को पानी दे रहा है हैंड पाइप से नागरिकों को पानी नहीं मिल रहा है हालात बदतर होते जा रहे हैं परंतु नगर परिषद की नींद नहीं खुल रही है कांग्रेसी नेता सल्लू खान ने कहा कि श्री सीमेंट फैक्ट्री के कारण जल स्तर नीचे चला गया है फैक्ट्री परिसर में 30 से अधिक बोरिंग कराई गई है परंतु तत्कालीन डीएम द्वारा कराई गई जांच में सिर्फ चार बोरिंग का मामला प्रकाश में आया था लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी शहर में पानी की स्थिति पर किसी लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के कल पालक अभियंता शहर में पानी की स्थिति पर पल्ला झाड़ ले रहे हैं कहते हैं कि शहर में प्यास बुझाना की जिम्मेदारी नगर परिषद को है। सल्लू खान ने कहा कि शहर और गांव में पानी की स्थिति गंभीर है परंतु कोई सुनता नहीं है विभाग के पास प्यास बुझाने क्या योजना है।घर-घर पानी पहुंचाने वाले मोहम्मद खलील, रंजन कुमार, प्रकाश कुमार, मोहम्मद रमजान, मोहम्मद कैफ, पंकज कुमार, दानिश खान, मोहम्मद राशिद, वरिंदर कुमार ,मोहम्मद शाहिद, गुलशन कुमार आदि उपस्थित थे।

बिहार में 24 घंटे में मिले 129 नए मरीज

बिहार में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है। सात महीने बाद नए केस 100 के पार मिले हैं। पिछले 24 घंटे में बिहार में 129 नए मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसमें से पटना के 60 मरीज शामिल हैं। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 412 हो गई है। पिछले 15 दिनों में एक्टिव मरीजों की संख्या 9 से बढ़कर 412 हो गई है। बता दें कि 1 अप्रैल को कोरोना के कुल 9 एक्टिव मरीज थे, लेकिन 15 अप्रैल को संख्या बढ़कर 412 हो गई है। पटना में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 224 हो गई है। देखा जाए तो कोरोना का सबसे ज्यादा खतरा राजधानी पटना में हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि 50% से अधिक मामले पटना से सामने आ रहे हैं। राजधानी में कई ऐसे इलाके हैं, जहां संक्रमण को लेकर अलर्ट रहने की जरूरत है। इसमें लोहियानगर, फुलवारीशरीफ, पाटलिपुत्र कॉलोनी, जगनपुरा, बोरिंग कैनाल रोड, नागेश्वर कॉलोनी, बुद्धमार्ग, भूतनाथ, बुद्धा कॉलोनी, पुनाईचक, आनंदपुरी, आरा गार्डेन शामिल हैं। वही मुजफ्फरपुर और भागलपुर में एक्टिव मरीजों की संख्या 22, खगड़िया में 20 और मुंगेर में 18 एक्टिव मरीज हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 45 हजार कोरोना जांच की गई है। खास बात यह है कि कोरोना संक्रमित होने के कारण 9 मरीज अब अस्पताल में भर्ती हुए हैं। इसमें पटना के IGIMS में 2 मरीज, NMCH में 2, PMCH में 1 मरीज, भागलपुर में 2 मरीज, गया में 1 मरीज और मुजफ्फरपुर में 1 मरीज शामिल हैं। देश में कोरोना के एक्टिव केस 50 हजार का आंकड़ा पार कर चुका है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 10,753 नए केस सामने आए हैं। वहीं कोरोना

की वजह से 27 लोगों की मौत हुई है। एक्टिव केस बढ़कर 53,720 हो गए हैं। इससे पहले पिछले साल 4 सितंबर को 50 हजार से ज्यादा एक्टिव केस दर्ज किए गए थे। पिछले 14 दिन यानी 1 से 14 अप्रैल तक देश में 89 हजार लोग संक्रमित हो चुके हैं।

जी-20 प्रेसीडेंट के रूप में भारत की हर तरफ हो रही प्रशंसा : नंदकिशोर

पटना, 15 अप्रैल। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि जी-20 प्रेसीडेंट के तौर पर भारत के कार्यों की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। भारत ने जी-20 प्रेसीडेंट के रूप में जो मानवता दिखाई है और विश्व शांति की दिशा में जो प्रयास किया है, वह अद्भुत है। यादव ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि जी -20 प्रेसीडेंट के रूप में भारत भारतीय दर्शन और संस्कृति के अनुरूप 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को फलीभूत कर रहा है। इससे वैश्विक फलक पर भारत की नीतियों का समर्थन मिला है और प्रशंसा हुई है। श्री यादव ने कहा कि आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जाजीर्वा भारत की प्रशंसा करते हुए भारत के साथ काम करने की उत्सुकता जतायी है। भारत के लिए इसे एक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यादव ने कहा कि भारत ने पीएम मोदी के नेतृत्व में जी-20 प्रेसीडेंट के रूप में जो कार्य कर रहा है, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

संक्षिप्त -समाचार

ओबरा थानाध्यक्ष को शोकोज

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एडीजे सात सुनील कुमार सिंह ने ओबरा थाना कांड संख्या 193/22 में जेल में बंद अभियुक्त के जमानत आवेदन पर सुनवाई करते हुए वाद दैनिकी प्रस्तुत करने में अभी तक असफल रहने पर थानाध्यक्ष को शोकोज किया है। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि वाद दैनिकी वास्ते 22 मार्च 2023 को न्यायालय से आदेश हुआ था स्मार पत्र 29 मार्च 2023 को भेजा गया, किन्तु आज तक न्यायलय में वाद दैनिकी प्रस्तुत नहीं किया गया जो भादंवि धारा 379,504,506/34 से सम्बंधित है, न्यायालय अपने आदेश के अवमानना देखते हुए थाना प्रभारी को आदेश दिया है कि एक सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण के साथ संदेह उपस्थित हो तथा आपके इस अवहेलना के लिए क्यों नहीं वरीय अधिकारियों को सुचित किया जाए,इस जमानत आवेदन पर सुनवाई के अगली तिथि 26/04/23 है।

औरंगाबाद शहर ने एक प्रतिष्ठित समाजसेवी खो दिया : स्नेही

औरंगाबाद। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्रतिष्ठित समाजसेवी, आर एस एस के लोकप्रिय सदस्य, सरस्वती अराध्य समिति के वरीय सदस्य और हिन्दू जागरण मंच औरंगाबाद के अध्यक्ष प्रभु दयाल का आज अचानक हृदयाघात से दोपहर एक बजे निधन हो गया यह खबर पुरे शहर में आग की तरह फैलीं और शोक की लहर से उनके घर पर शुभ चिंतकों का तांता लग गया देर शाम तक बड़ी संख्या में समाजसेवीयो ने उनका अंतिम दर्शन किया और शोक संवेदना प्रकट किया। उनके निधन से समाज को अपूर्णिय क्षति हुई है, उनके भाई सुनील कुमार ने बताया कि अंतिम संस्कार कर सुबह किया जाएगा।

चर्चित समाजसेवी के असामयिक निधन पर शोक

औरंगाबाद। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रामानुज पाण्डेय, कृष्ण वल्लभ प्रसाद सिंह उर्फ बबुआजी ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक, चर्चित समाजसेवी प्रभुदयाल गुप्ता जी के असामयिक निधन पर अपनी गहरी संवेदना एवं शोक प्रकट करते हुए है कि स्व गुप्ता एक समर्पित व्यक्तित्व एवं कृतित्व के धनी व्यक्ति थे। जो आपने स्नेह प्रेम सेवा भावना से उन्होंने जो स्थान बनाया है वह सदैव समाज मे अमर रहेगा। औरंगाबाद में भारत माता के प्रति भक्ति भावना जगाने वाले एक समर्पित सपूत को भारत माता ने अपने गोद मे विश्राम दे दिया लेकिन जिले के अनेको सपूत इस विछोह से आज मर्माहत हैं। प्रभु आप पुनः आए आपने भले कई संकल्प पूरे होते देखे है चाहे राम मंदिर निर्माण हो जिसमे आपकी अविस्मरणीय महती भूमिका रही है लेकिन हम सबो का साथ जाकर देखने का संकल्प अधूरा रह गया। किन्तु आपके प्रयत्न संघर्ष सफल हुए औरंगाबाद से एक अच्छी धनराशि प्रभु जी के सहयोग से भेजने में समिति सफल रही थी राजधानी एक्सप्रेस दुर्घटना में इनकी सेवा भूमिका सँस्मरणीय है। ऐसे ही कई अवसरों पर एवं हिंदुत्व एवं राष्ट्रवादी भावना को बल प्रदान करने की आपकी महत्वपूर्ण भूमिका सदैव संस्मर्णीय है। जिले ने आज एक बहुत समर्पित स्वयंसेवक एवं समाज सेवी खो दिया ।

मां का आशीर्वाद सबसे खास तोहफा

लालू यादव के बड़े बेटे और बिहार सरकार के मंत्री तेजप्रताप यादव का आज जन्मदिन है। वो आज अपना 34वां जन्मदिन मना रहे हैं। बर्थडे को लेकर 10 सर्कुलर रोड में 16 अप्रैल यानि आज जन्मदिन समारोह का आयोजन शाम सात बजे किया गया है। इसके लिए तेजप्रताप ने आमंत्रण पत्र भी तैयार करवाया है। जन्मदिन के मौके पर तेजप्रताप ने मां राबड़ी देवी का आशीर्वाद भी लिया है। तेजप्रताप यादव ने देर रात अपनी मां राबड़ी देवी का पांव छूकर आशीर्वाद लिया। फोटो भी तेजप्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। तस्वीर में तेजप्रताप मां राबड़ी देवी को केक खिलाते दिख रहे हैं। फोटे के साथ उन्होंने लि खा है कि मां का स्नेह और आशीर्वाद मेरे सिर पर बना रहे। मेरे जन्मदिन पर इससे बढ़कर को तोहफा नहीं हो सकता। तेजप्रताप यादव यह कहते रहे हैं कि उनकी मां से उन्हें काफी लगाव है। राबड़ी देवी दोनों हाथों से जन्म-दिन के अवसर पर दोनों हाथ से आशीर्वाद देते हुए दिख भी रही हैं। तेजप्रताप यादव ने समर्थकों के साथ केक भी काटा। समर्थक उन्हें आराध्य देव कृष्ण और शिव की फोटो भी भेंट कर रहे हैं। तेजप्रताप यादव अक्सर चर्चा में बने रहते हैं। हाल ही में बनारस में एक होटल संचालक से उनका विवाद सुर्खियों में रहा। हालांकि, मंत्री बनने के बाद से तेजप्रताप यादव विवादित बयान से बचते रहे हैं। उनके मंत्री बनने के बाद उनके संगठन जनशक्ति परिषद की गतिविधियां भी शिथिल पड़ गईं। वो बिहार में पर्यावरण की सुरक्षा और इसकी बेहतरी में लगातार जुटे हैं। अपने आवास में गौरैयों के लिए घोसले भी लगवाए हैं।

पटना का पारा पहुंचा 42 हीट वेव का अलर्ट

बिहार के 16 जिलों का अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। शनिवार को पटना का अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री और औरंगाबाद का 43 डिग्री दर्ज किया गया। पटना और औरंगाबाद में शनिवार को हीट वेव की स्थिति रही। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले 20 अप्रैल तक राज्य के लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है। 21 अप्रैल के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। लेकिन 26 अप्रैल के बाद फिर से लोगों को गर्मी की मार झेलनी होगी। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को उत्तर पूर्व बिहार के सुपौल, अररिया, मधेपुरा, किशनगंज, पूर्णिया, सहरसा, कटिहार, तो दक्षिण मध्य बिहार में पटना, गया, शेखपुरा, बेगूसराय, नवादा, लखीसराय, जहानाबाद और नालंदा तो दक्षिण पूर्व के भागलपुर, जमुई, बांका, मुंगेर और खगड़िया में हिट वेव का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अधिकारी संजय कुमार के अनुसार, झारखंड, मध्य प्रदेश में 30 से 45 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चक्रवाती हवा सक्रिय है। इसके प्रभाव से ही विहार में हीट वेव जैसे हालात हैं। शनिवार को औरंगाबाद जिला सबसे गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि गया 41.6 डिग्री, भागलपुर और सुपौल 40 डिग्री, पूर्णिया 40.1 डिग्री, रोहतास 41.8 डिग्री, शेखपुरा 42.1 डिग्री, जमुई 41.3 डिग्री, भोजपुरी 41.7 डिग्री, वैशाली 41.1 डिग्री, खगड़िया 42.2 डिग्री, बांका 41.4 डिग्री, नवादा 41.6 डिग्री, नालंदा 42.4 डिग्री और सीवान का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

टिकट कटने पर बवाल

कर्नाटक में विधानसभा चुनावों से पहले बीजेपी में दिख रही नाराजगी कई वजहों से ध्यान खींच रही है। हालांकि अपने देश में चुनावों से पहले पार्टियों में टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष कोई नई बात नहीं है। अक्सर यह विवाद बड़ा रूप भी लेता रहा है। लेकिन पिछले कुछ समय से, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अगुआई वाला दौर शुरू होने के बाद से बीजेपी में इस तरह के दृश्य दिखने लगभग बंद हो गए थे। पार्टी खुद को एक अनुशासित इकाई के रूप में पेश करती थी। उसने कई चुनावों में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटने के प्रयोग भी शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में कर दिखाया। मगर कर्नाटक में इस बार स्थितियां एकदम उलट हैं। इससे पहले नवंबर महीने में हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी कुछ सीटों पर बागियों को मनाने में बीजेपी नेतृत्व को परेशानी हुई थी। तब हिमाचल की कुल 68 विधानसभा सीटों में से 21 पर बीजेपी के बागी प्रत्याशी लड़े थे। नतीजा यह कि बीजेपी बहुमत के आंकड़ों तक नहीं पहुंच पाई। जो जानकार कर्नाटक में भी ऐसा ही कुछ होने के आसार जता रहे हैं, उनका तर्क यह है कि अगर पार्टी के अंदर जीत की उम्मीद होती तो बागी प्रत्याशियों को भविष्य में सत्ता में हिस्सेदारी का आश्वासन काम आ जाता। यह नहीं काम आ रहा, इसका मतलब है कि बीजेपी के लिए संकेत कुछ खास अच्छे नहीं हैं। कर्नाटक बीजेपी के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार ने तो खुलकर कह दिया कि पार्टी टिकट दे या न दे, वह चुनाव लड़ेंगे। दूसरे बड़े नेता ईश्वरप्पा ने खुद चुनाव न लड़ने की बात कही है, लेकिन उनके समर्थक अभी तक सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बड़ी संख्या में पार्टी की लोकल यूनिटों से जुड़े लोगों के पार्टी से इस्तीफा देने की खबरें आ रही हैं। कहा यह भी जा रहा है कि टिकट काटने के फैसले से ज्यादा नुकसान फैसले के ढंग से हुआ है। अगर इन बड़े नेताओं को पहले से विश्वास में लिया जाता तो ये अपने समर्थकों की नजर में अपमानित नहीं महसूस करते। उस स्थिति में पार्टी का नुकसान भी कम होता। बहरहाल, चुनाव में अभी भी वक्त है। बीजेपी नेतृत्व इन असंतुष्ट नेताओं और उनके समर्थकों तक पहुंचकर उनकी बात सुन और अपनी बात उन्हें समझा सकता है। खबर है कि पार्टी नेतृत्व इस काम के लिए येदियुरप्पा का इस्तेमाल करना चाहता है। उन पर यह जिम्मेदारी डाली गई है कि वह नाराज नेताओं से बात करें, उनकी नाराजगी दूर करें। क्या येदियुरप्पा इस प्रयास में सफल होंगे या पार्टी को यहां भी हिमाचल प्रदेश की तरह बागी प्रत्याशियों की चुनौती का सामना करना पड़ेगा, इसका जवाब आने वाले दिनों में मिल जाएगा।

जरूरी युद्धाभ्यास

भारतीय सेना व वायुसेना ने पिछले दिनों एलएसी पर सफल संयुक्त युद्धाभ्यास करके चीन को संदेश देने का प्रयास किया कि भारत अपनी सीमाओं को मिलने वाली किसी भी चुनौती का मुकाबला करने में सक्षम है। निस्संदेह, ऊंची व जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में युद्ध करने का भारतीय सेना का अनुभव समृद्ध रहा है। लेकिन जिस तरह चीन ने पिछले दिनों लद्दाख व अरुणाचल में भारतीय संप्रभुता को चुनौती देने का प्रयास किया, उसके मद्देनजर युद्धाभ्यास के जरिये चीन को चेताना जरूरी हो गया था। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में नंबर एक महाशक्ति बनने का सपना देख रहा चीन लगातार अपने साम्राज्यवादी मंसूबों को विस्तार देता रहा है। इसी कड़ी में वह भारत के आसपास के छोटे देशों में धनबल-छलबल से अपने कूटनीतिक हितों का विस्तार करता रहा है। नेपाल की राजनीति में दखल के अलावा उसने श्रीलंका की विषम आर्थिक परिस्थितियों का लाभ उठाकर उसके एक महत्वाकांक्षी बंदरगाह तक का अधिग्रहण कर लिया है। जिसके तट पर खुफिया समुद्री जहाज के रुकने का भारत ने कड़ा प्रतिवाद किया था। दशकों से चीन के पिट्ठू रहे पाकिस्तान में बन रहे महत्वाकांक्षी आर्थिक गलियारे के जरिये भी चीन भारत के लिये नई चुनौती पैदा कर रहा है। उसकी महत्वाकांक्षाओं का अंत यहीं नहीं हुआ, अब वह भारत के इलाके में दखल बनाने के मकसद से दशकों से भारत के अभिन्न मित्र रहे भूटान पर दबाव बना रहा है ताकि भारत की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों पर कब्जा कर सके। इन परिस्थितियों के आलोक में चीन सीमा पर भारतीय सेना व वायुसेना द्वारा किया गया युद्धाभ्यास वक्त की जरूरत ही था। एलएसी पर कई वर्षों से जारी गतिरोध के बीच हुए इस युद्धाभ्यास में भारत के बड़े जहाज ग्लोबमास्टर व चिनूक हेलीकॉप्टर आदि ने भाग लिया। चीन द्वारा सिक्किम, पूर्वी लद्दाख व हाल में अरुणाचल के शहरों के चीनी नाम रखने के चलते उत्पन्न हालात में इस तरह के सैन्य अभ्यास अपरिहार्य ही हैं। दरअसल, 1962 के भारत-चीन युद्ध में वायुसेना का समय पर इस्तेमाल न करने की चूक से मिली शिकस्त से सबक लेते हुए भारत ने पूर्वी क्षेत्र में साझे रूप से सामरिक एयरलिफ्ट का अभ्यास किया। विमानों व मारक हेलीकॉप्टरों के जरिये जटिल पहाड़ी इलाकों में लैंडिंग और ड्रॉपिंग का अभ्यास किया गया। दरअसल इस अभ्यास का मकसद अधिक ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में सेना व वायुसेना के तालमेल का मूल्यांकन करना था। ताकि युद्ध की स्थिति में विशेष सैन्य बल तीव्र गति के साथ हमला कर सकें। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, सेना के विभिन्न अंगों ने युद्ध जैसी स्थिति बनाकर लैंडिंग जोन को सुरक्षित करने तथा दुश्मन पर सटीकता से हमला करके उसे तेजी से उलझाने का अभ्यास किया।

लोकसभा चुनाव में क्या राम मंदिर बनेगा मुद्दा?

विश्लेषण

आर .के .सिन्हा

1980 में अस्तित्व में आने के बाद से ही राम मंदिर भाजपा की राजनीति का एक मुख्य आधार रहा है। अगर भाजपा इस चुनाव में सत्ता बरकरार रखने में सफल रहती है, तो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ही ऐसे पहले राजनेता होंगे जिनकी अगुवाई में कोई पार्टी लगातार तीन बार सत्ता हासिल करने में कामयाब होगी। वहीं कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए 2024 का चुनाव एक तरह से अस्तित्व की अंतिम लड़ाई सरीखा है। इसीलिए शायद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद नजर रख रहे हैं कि राम मंदिर का निर्माण समय पर पूरा हो जाए। बेशक, आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बीच राम मंदिर का मुद्दा लोकसभा चुनाव 2024 के केंद्र में रहने वाला है। याद करें कि भाजपा ने एक दौर में राम और रोटी का नारा दिया था। आज यह नारा आगे बढ़कर सबका साथ, सबका विकास तक पहुंच गया है। पार्टी विद डिफरेंस के साथ आगे बढ़ी भाजपा आज न सिर्फ भारतीय राजनीति के केंद्र में है, बल्कि बीते एक दशक में उसने भारतीय राजनीति के सूर्य को दक्षिणायन कर दिया है।

आगामी सितंबर में राष्ट्रीय राजधानी में जी-20 शिखर सम्मेलन के फौरन बाद से ही देश में 2024 के लोकसभा चुनाव की हलचल तेज होने लगेगी। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले राम मंदिर के द्वार दुनिया भर के राम भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार आदि स्थानों पर पर्यटन भी तेजी से बढ़ेगा। इसलिए यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या अगले आम चुनाव में राम मंदिर चुनावी मुद्दा बनेगा? जिस तरह से भाजपा राम मंदिर को लेकर जनता के बीच जा रही है उससे तो यह स्पष्ट ही है कि पार्टी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर पेश करेगी और करे भी क्यों नहीं जो काम 500 वर्षों के समय-समय पर हुए भयंकर रक्तपातों और लाखों राम भक्तों की कुबार्नी से भी हासिल न हो सका, वह भाजपा के शासन में आसानी से हो भी गया और किसी को चूं चपड़ तक करने की हिम्मत तक न हुई । 1980 में अस्तित्व में आने के बाद से ही राम मंदिर भाजपा की राजनीति का एक मुख्य आधार रहा है। अगर भाजपा इस चुनाव में सत्ता बरकरार रखने में सफल रहती है, तो देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेन्द्र मोदी ही ऐसे पहले राजनेता होंगे जिनकी अगुवाई में कोई पार्टी लगातार तीन बार सत्ता हासिल करने में कामयाब होगी। वहीं कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों के लिए 2024 का चुनाव एक तरह से अस्तित्व की अंतिम लड़ाई सरीखा है। इसीलिए शायद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद नजर रख रहे हैं कि राम मंदिर का निर्माण समय पर पूरा हो जाए।

बेशक,आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बीच राम मंदिर का मुद्दा लोकसभा चुनाव 2024 के केंद्र में

रहने वाला है। याद करें कि भाजपा ने एक दौर में राम और रोटी का नारा दिया था। आज यह नारा आगे बढ़कर सबका साथ, सबका विकास तक पहुंच गया है। पार्टी विद डिफरेंस के साथ आगे बढ़ी भाजपा आज न सिर्फ भारतीय राजनीति के केंद्र में है, बल्कि बीते एक दशक में उसने भारतीय राजनीति के सूर्य को दक्षिणायन कर दिया है। डॉ. राम मनोहर लोहिया जैसे प्रखर समाजवादी चिंतक तक ने राम के आदर्श और लोक स्वीकार को महत्व दिया था। वे कहते थे, भारत के तो कण-कण में राम बसे हैं। भारत की राम के बिना तो कल्पना करना भी असंभव है। सारा भारत राम को अपना अराध्य और पूजनीय मानता है।

लोहिया यह भी कहते थे कि भारत के तीन सबसे बड़े पौराणिक नाम - राम, कृष्ण और शिव ही हैं। उनके काम के बारे में थोड़ी-बहुत जानकारी प्रायः सभी को, कम से कम दो में एक भारतीय को तो होगी ही। उनके विचार व कर्म, या उन्होंने कौन-से शब्द कब कहे, उसे विस्तारपूर्वक दस में एक तो जानता ही होगा। कभी सोचिए कि एक दिन में भारत में कितनी बार यहां की जनता प्रभु राम का नाम लेती है। ये आंकड़ा तो अरबों-खरबों में पहुंच जाएगा। भारत राम का नाम तो लेता ही रहेगा।

राम का नाम भारत असंख्य वर्षों से ले रहा है और लेता ही रहेगा। मोहम्मद इकबाल ने श्रीराम की शान में 1908 में एक मशहूर कविता लिखी थी। वे भगवान राम को राम-ए-हिंद कहते हैं। वे इस कविता में यह भी लिखते हैं-है राम के वजूद पर हिन्दोस्तां को नाज, अहले नजर समझते हैं उनको इमामे हिन्दकयानी भारत को गर्व है कि श्रीराम ने भारत में जन्म लिया और सभी ज्ञानी लोग उन्हें भारत का इमाम अथवा आध्यात्मिक गुरु मानते हैं। गांधी भारत में राम राज्य की स्थापना देखना चाहते थे। वे हिन्दू धर्म के भगवान नहीं हैं। बल्कि, वे भारत की मिट्टी की सांस्कृतिक धरोहर हैं और इस साझी धरोहर को बांटना न मुमकिन है न ही समझदारी।

खैर, राम मंदिर निर्माण के साथ ही भारत में अगले वर्ष से नए युग का सूत्रपात होगा जिसका असर भारतीय राजनीति पर पड़ेगा ही। इसकी आहट विभिन्न राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में भी महसूस की गई। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण भाजपा के लिए अपने इतिहास का सबसे गौरवशाली क्षण होगा। याद करिए 1980 का वह दशक। जब देश में कम समय के लिए बनी पहली गैर कांग्रेसी सरकार की यादों के साथ दशक का आगाज हुआ। इस दशक से देश की राजनीति के इतिहास में यह मुद्दा बड़े महत्व का रहा। 1984 चुनाव में भाजपा को बहुत कम सफलता मिली, लेकिन राम मंदिर निर्माण को लेकर अपनी संकल्पना के प्रति पार्टी वचनबद्ध रही।

साल 1989 के पालमपुर सम्मेलन में पार्टी ने तय किया कि उसका मुख्य राजनीतिक एजेंडा 'राम जन्मभूमि को मुक्त करवाकर भव्य मंदिर बनवाना' होगा। वरीय नेता और पूर्व अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी ने अगले ही साल रथयात्रा शुरू की। राजनीतिक दृष्टिकोण से यह कालजयी घटना थी। 9 नवंबर, 1989 को शिलान्यास समारोह आयोजित किया गया। इसके कुछ दिनों बाद जब लोकसभा चुनाव हुए, तो भगवा पार्टी की संख्या 85 हो गई, और इसने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

1990 में तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के आदेश पर कारसेवकों पर फायरिंग की गई। इस घटना से पूरा देश मर्माहत हो गया। प्रत्येक राष्ट्र भक्त देशवासी को गहरा धक्का लगा। 1991 में उत्तर प्रदेश में कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री बनने से भाजपा ने राम मंदिर मुद्दे को और जोर-शोर से उठाया। 1996 और 1999 के चुनाव में भाजपा को खासी कामयाबी मिलती दिखी और देश में 1999 में पहली बार पूर्ण कार्यकाल वाली भाजपा सरकार बनी। अबतक मंदिर के लिए कानूनी लड़ाई भी सही ढंग से लड़ी जाने लगी थी। यह निश्चित तौर पर मानिए राम मंदिर का निर्माण पूरा होने को भाजपा चुनावी मुद्दा बनाएगी। इसका असर सारे भारत पर होगा। इस बारे में कोई बहस नहीं हो सकती। भाजपा अनुच्छेद 370 जैसे सारे काले कानूनों को हटाने का भी क्रेडिट लेना चाहेगी।

इस बीच, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी सरकार के आला अफसरों को उम्मीद है कि मंदिर खुलने पर तीर्थयात्रियों की संख्या प्रतिदिन लगभग एक लाख भक्तों तक बढ़ जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा दौरे पर अपने संबोधन में 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में गगनचुंबी राममंदिर तैयार हो जाने की बात कही है। इस बीच, भाजपा अगले लोकसभा चुनाव के समय असदुद्दीन ओवैसी और मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड को देश के सामने बेनकाब करेगी। पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा था की राम मंदिर को उसी प्रकार से बदल देंगे जैसे तुर्किये की हगिया सोफिया मस्जिद के साथ हुआ। यह धमकाने वाला लहजा कभी भी हिन्दू बहुल देश स्वीकार नहीं करेगा ।

क्या इन्होंने तब कभी आपत्ति जताई थी जब देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दशकों से इफ्तार पार्टियों का आयोजन करते थे? ओवैसी और दूसरे तमाम कथित सेक्युलरवादी अल्पसंख्यकों के हितों की तो खूब बातें करते हैं। उन्हें उनके अधिकार बिल्कुल ही मिलने भी चाहिए। पर ये सब कश्मीर में हिन्दू पंडितों के अधिकार देने के मसले पर चुप क्यों हो गए थे। पाकिस्तान अल्पसंख्यक हिन्दुओं, सिखों, ईसाइयों पर जो अत्याचार कर रहा है उसपर अबतक चुप्पी क्यों साध रखी है क खैर, यह मान कर चलिए कि 2024 के लोकसभा चुनाव में राम मंदिर फिर से भाजपा की चुनावी कैपेन के केन्द्र में होगा और 2024 में नरेन्द्र मोदी की सरकार तीसरी बार बनवाने में सफल होता दिख रहा है ।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

एक अस्वीकृत कहानी ने बलराज को बनाया अभिनेता

बलराज साहनी ने अपने जीवंत अभिनय से जो भी भूमिकाएं की, उन्हें यादगार बना दिया। 'धरती के लाल' का गरीब किसान, 'दो बीघा जमीन' का हाथ से रिक्शा खींचने वाला मजदूर, 'हम लोग' का मुखर युवा बेरोजगार, 'हलचल' का उदार जेलर, 'काबुलीवाला' का भावुक पठान या फिर अपनी अंतिम फिल्म 'गरम हवा' का अभागा मुस्लिम व्यापारी आदि किरदारों को जब याद करते हैं तो हमें बलराज नहीं बल्कि ये किरदार ही सामने खड़े दिखाई देते हैं। बलराज ने अपने को इन किरदारों में इस तरह ढाला कि वह गायब हो गए और दर्शकों को उनके किरदार ही याद रहे आए। दो बीघा जमीन की कलकत्ता में हुई शूटिंग के दौरान कई बार भीड़ ने उन्हें असली रिक्शाचालक समझकर ही व्यवहार किया। यह उनके स्वाभाविक हुलिए और बोल-चाल की वजह से ही हुआ, जिसके लिए उन्होंने स्वयं कड़ी मेहनत की थी। बंबई के जोगेश्वरी इलाके में उत्तर प्रदेश और बिहार के भैंस पालने वाले भैया लोगों की बस्ती में उन्होंने उन के खान-पान, पहनावे, बोलचाल का गहराई से अध्ययन किया। सिर पर गमछा बांधने का विचार उन्हें यही से आया था। बलराज ने 1934 में लाहौर से अपनी पढ़ाई पूरी करके कुछ दिन रावलपिंडी में अपने पिता का कपड़ों का व्यापार संभाला। इस बीच 6 दिसंबर, 1936 को उनकी शादी दमयंती से हुई। कुछ दिनों बाद ही उन्हें साथ ले वे फिर लाहौर आ गए। यहां से एक साप्ताहिक अंग्रेजी समाचार पत्र निकालने लगे । फिर दोनों पति-पत्नी कलकत्ता चले गए। यहां कुछ दिन लेखन कार्य करने के बाद 'अज्ञेय' की सिफारिश पर उन्हें शांति निकेतन में हिंदी अध्यापक की नौकरी मिल गई। यह 1937 के जाड़े की बात थी। लगभग दो साल यहां बिताने के बाद वे गांधी जी के वर्धा स्थित सेवाग्राम जा पहुंचे 'नई तालीम' पत्रिका के सहायक संपादक बनकर। यहां एक साल ही गुजरा था कि वे गांधी जी की अनुमति लेकर बी.बी.सी. लंदन में उद्घोषक बनकर इंग्लैंड चले गए। वे यहां चार साल तक रहे। यह द्वितीय विश्व युद्ध का समय था । 1944 की गर्मियों में साहनी दंपत्ति इंग्लैंड से वापस लौटा। उनके साथ कुछ ही महीनों की उनकी बेटी शबनम थी। अपने बड़े बेटे परिक्षित को वे इंग्लैंड जाने से पहले दादा-दादी के पास रावलपिंडी छोड़ गए थे। इंग्लैंड से बलराज दंपत्ति पूरी तरह बदलकर आए थे। अब वे एक पक्के मार्क्सवादी थे। इंग्लैंड से वापसी के समय वे कुछ दिन बंबई में रुके। एक दिन बलराज की मुलाकात अचानक चेतन आनंद से हो गई, जिन के साथ लाहौर में पढ़ते हुए उन्होंने कई नाटकों में साथ-साथ काम किया था । चेतन से बातचीत के दौरान उन्हें जान कर खुशी हुई कि अब भारत में भी सभ्य समाज के लोग फिल्मों को उतनी बुरी नजर से नहीं देख रहे हैं। उन्हीं से उन्हें पता चला कि कृश्न चंदर, उपेंद्र नाथ 'अश्क', सआदत हसन मंटो, भगवती चरण वर्मा, जोश मलीहाबादी, अमृतलाल नागर, नरेंद्र शर्मा जैसे चोटी के लेखक बंबई में रहकर ही फिल्मों के लिए कहानियां और गीत लिखकर हजारों रुपये कमा रहे हैं। इंग्लैंड जाने से पहले बलराज साहनी की भी गिनती हिंदी के युवा कहानीकारों में होने लगी थी। उनकी कहानियां 'विशाल भारत' 'हंस' 'धर्मयुग' और अन्य पत्रिकाओं में नियमित रूप से छपती रहती थीं। बंबई में चेतन आनंद और उर्दू लेखक कृश्न चंदर से हुई मुलाकातों से बलराज ने इतना तो जरूर सोचा कि अगर कहीं और कुछ न हुआ तो दूसरे साथी लेखकों की तरह फिल्मों के लिए लिखकर तो रोजी-रोटी कमाई ही जा सकती है। अभिनय की बात अभी तक उनके दिमाग में नहीं आई थी। इस बीच काफी समय के बाद उन्होंने एक कहानी लिखकर 'हंस' पत्रिका को भेजी। लेकिन वह अस्वीकृत हो गई। बलराज के स्वाभिमान को गहरी चोट लगी। तभी चेतन आनंद ने उन्हें और उनकी पत्नी दमयंती को फिल्म 'नीचा नगर' में जिसका वह निर्देशन कर रहे थे के मुख्य पात्रों का रोल करने का प्रस्ताव रखा। अस्वीकृत कहानी से चोट खाए बलराज ने चेतन का यह प्रस्ताव तुरंत स्वीकार कर लिया। इस तरह एक अस्वीकृत कहानी ने बलराज का फिल्मों में अभिनय करने का रास्ता खोल दिया। सितम्बर 1944 में बलराज, दमयंती और दोनों बच्चों के साथ बंबई, चेतन आनंद के घर जा पहुंचे। आर्थिक मुश्किलों के चलते 'नीचा नगर' फिल्म की शूटिंग आरंभ नहीं हो पाई। तभी उनका परिचय भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) में ख्वाजा अहमद अब्बास व अन्य प्रगतिशील नाट्य प्रेमियों से हुआ और वे पत्नी सहित शीघ्र ही इसका अहम हिस्सा बन गए और ताउम्र बने रहे। इस बीच जिया सरहदी की फिल्म 'हम लोग' (1951) जिसमें उन्होंने एक बेरोजगार युवा का रोल किया था, हिट रही। इसके बाद उन्हें विमल राय की फिल्म 'दो बीघा जमीन' में किसान शंभु महतो का रोल मिला।1953 में प्रदर्शित हुई इस फिल्म से उन्हें अन्तरराष्ट्रीय ख्याति मिली। देश ही नहीं विदेशी के कई बड़े पुरस्कार इस फिल्म को मिले। इस फिल्म के साथ ही बलराज का संघर्ष खत्म हुआ। आने वाले 19 वर्षों में उन्होंने 120 से ज्यादा फिल्मों में काम किया, जबकि संघर्ष के पिछले दस सालों में उन्होंने मुश्किल से दस फिल्मों में भी काम नहीं किया था। दो बीघा जमीन के बाद आई उनकी कुछ महत्वपूर्ण फिल्में थी- 'सीमा' (1954) 'गरम कोट' (1955) 'भाभी' (1957) 'हीरा-मोती' (1959), 'छोटी बहन' (1959) 'अनुराधा' (1960) 'काबुलीवाला' (1961) 'अनपढ़' (1962) 'हकीकत' (1964) 'हमराज' (1967) 'संघर्ष' (1968) 'दो रास्ते' (1969) 'पवित्र पापी' (1970), एवं 'गरम हवा' (1974)। चलते-चलते गरम हवा उनकी अंतिम फिल्म थी। उनकी बेहतरीन अदाकारी का एक और यादगार नमूना। एम. एस. सथ्यू द्वारा निर्देशित यह फिल्म भारत-पाकिस्तान विभाजन की त्रासदी पर आधारित थी। उन्होंने अपने जीवन में विभाजन की त्रासदी तो देखी ही थी, अतः इस फिल्म में मानों उन्होंने अपनी वास्तविक जिंदगी का ही एक हिस्सा जीवंत करने का प्रयास किया।

सोशल मीडिया से...

सच के हक में...

शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश में हुई सड़क दुर्घटना में महिलाओं और बच्चों समेत कई लोगों के हताहत होने के समाचार से मुझे गहरा दुख हुआ है। अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मैं गहन शोक-संवेदनाएं व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

लातेहार के चंदवा में एक नाबालिग दलित की सामूहिक दुष्कर्म के बाद नृशंस हत्या, दुमका के हसडीहा में मुखिया की गोली मार कर हत्या, जमशेदपुर के मकदमपुर में सांप्रदायिक तनाव की कोशिश, बोकारो में मंदिर में प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश। यह झारखंड की ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था की तस्वीर है। पिछले तीन सालों में सोरेन सरकार के राज में आए दिन ऐसी खबरें बताने के लिए काफी है कि इन्होंने राज्य की क्या दुर्दशा कर रखी है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

इतिहासबोध राष्ट्रबोध का आधार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा दसवीं, ग्यारहवीं व बारहवीं की पुस्तकों में कतिपय संशोधन किए गए हैं। इन पुस्तकों में बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक पाठ्यक्रम बनाए जाते हैं। विषय विशेषज्ञों की समिति विचार करती है। अन्य विषय की पुस्तकों में भी संशोधन हुए हैं। लेकिन इतिहास की पुस्तकों में हुए कतिपय संशोधनों को लेकर बहस चल रही है। अध्ययन की दृष्टि से इतिहास, संस्कृति और दर्शन महत्वपूर्ण विषय माने जाते हैं। इतिहासबोध राष्ट्रबोध का आधार है। भारत में इतिहास संकलन की विशेष परंपरा रही है। यूरोपीय तर्ज के इतिहास में राजाओं और सामंतों के संघर्षों का वर्णन ज्यादा होता है। भारतीय इतिहास में संस्कृति का विवरण महत्वपूर्ण होता है। इतिहास सर्वोच्च मार्गदर्शी होता है। सृष्टि के उदय से लेकर अब तक का विवरण इतिहास है। इतिहास का अर्थ है-ऐसा ही हुआ था। भारतीय जीवन दृष्टि में इतिहास कभी बूढ़ा नहीं होता। यह अजर अमर आख्यान है। इतिहास के वृक्ष पर नित नया वसंत खिलता रहता है। सूर्य उगते हैं। प्रतिपल नया सूर्योदय होता है। इसके पहले ऊषा आती है। बार-बार आती है। मधु मास आते हैं। नए फूल फल उगते हैं। ऋतुएं नया रंग रूप लेती हैं। मनुष्य और प्रकृति की प्रीति चलती रहती है। संघर्ष भी चलते हैं। मनुष्य मनुष्य से परस्पर लड़ते हैं। हिंसा होती है। मनुष्यता पश्चाताप में होती है। इतिहास के अंतःकरण में ऐसी सारी घटनाएं संकलित रहती हैं। भारतीय इतिहास की शुरूआत सृष्टि सृजन की मधुमय मुहूर्त से होती है। ऋग्वेद के एक मंत्र (10.72.2) में कहते हैं, 'देवताओं के जन्म से पहले असत से सत का उद्भव हुआ।ह्व सृष्टि उगती है। इतिहास का गायन शुरू हो जाता है।' बड़ी बात है कि ऋषि उस कालखंड का वर्णन कर रहे हैं जब देवता भी नहीं थे। ऋग्वेद के ऋषि सृष्टि संरचना से इतिहास का क्रम शुरू करते हैं। यूरोपीय तर्ज के इतिहास लेखक इसे प्रागैतिहासिक काल बता कर छुट्टी पा जाते हैं। पहले समय नहीं था। सृष्टि सृजन के शुरूआत के साथ गति हुई और गति से समय का जन्म हुआ। ऋग्वेद के ऋषि इसके भी पहले का वर्णन करते हैं, 'तब न सत था न असत था। भू, आकाश आदि भी नहीं थे। न दिन था न रात्रि। वायु भी नहीं थी।' यह भारतीय दृष्टि का इतिहास है। असिमोव ने वर्ल्ड क्रोनोलॉजी में बताया है कि अग्नि की खोज मानव जीवन की महत्वपूर्ण घटना है। ऋग्वैदिक ऋषि अग्नि की खोज का श्रेय भारतीय पूर्वजों को देते हैं। कहते हैं, 'मनु ने मानवता के हित में अग्नि की स्थापना की। (1.36.19) मनु के बारे में कहते हैं, 'वह हम सब के पिता हैं।' भारत में इतिहास की ज्ञान उपासना प्राचीन है। इस इतिहास में अतीत के तथ्य काव्य रूप में हमारे सामने आते हैं। यह शैली लोकमंगल से जुड़ी प्रकृति की शक्तियों को देवता रूप देती हैं। लेकिन इतिहास के प्रति सजगता बनी रहती है। एक सुन्दर सूक्त (10.14.15) में कहते हैं, 'इदं नमः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृष्टभ्यः, ऋषिभ्यः - पूर्वजों को नमस्कार है। वरिष्ठों को नमस्कार है। मार्गदर्शक ऋषियों को नमस्कार है।' पूर्वज पूर्वकाल में हुए थे और पूर्व काल का विवरण इतिहास है। अथर्ववेद के पन्द्रहवें अध्याय में अथर्वा ने व्रात्य नाम के देवता का विवरण दिया है। वेदों में व्रात्य शब्द का अर्थ उच्चतर आध्यात्मिक चेतना के लिए प्रयुक्त हुआ है। यह विवरण इतिहास दृष्टि का सुन्दर उदाहरण है, 'व्रात्य ने उच्चतर स्थिति प्राप्त होते ही ब्रह्मा का मार्गदर्शन प्राप्त किया। ब्रह्मा ने सृष्टि रचना की।' ऋषि व्रात्य की यात्रा का सुन्दर वर्णन करते हैं। सूक्त 6 में कहते हैं, 'उसने ऊर्ध्व दिशा की ओर प्रस्थान किया। भूमि, अग्नि औषधियां, वनस्पतियां उसके अनुकूल हो गईं। जो यह तथ्य जानते हैं वह उक्त सभी तत्वों को अपने अनुकूल कर लेते हैं।'

मुझे कुछ कहना है...

अतीक-अशरफ की हत्याा इस मायने में काफी दुर्भाग्यचपूर्ण है कि पुलिस बंदोबस्त के बीच में अपराधी बाइक से आए और प्वाइंट ब्लेंक रेंज से गोली मारकर हत्या कर दी। जैसा कि फुटेज में दिख रहा है, पुलिसवाले एक सर्किल बनाए हुए थे। बड़ा सवाल यह है कि जब हमलावर ताबड़तोड़ गोली चला रहे थे तो पुलिस ने भी गोली क्यों नहीं चलाई। पुलिस भी गोली चला सकती थी। जब उत्तर प्रदेश में आए दिन अपराधियों की धर-पकड़, एनकाउंटर हो रहे हैं तो प्रयाग में इस गोलीबारी के बीच पुलिस भी हमलावरों के पैर पर गोली चला ही सकती थी। तीनों हमलावरों की पीठ पुलिसवालों की तरफ थी। हालांकि दूसरा पहलू यह भी है कि अगर पुलिस हमलावरों को आन स्पाट मार देती तो यह सवाल खड़ा होता कि एक बहुत बड़ी साजिश को दबा देने के लिए अपराधियों को मार दिया गया ताकि जांच की आगे की कड़ी खत्म हो जाए कि वे कौन लोग थे। किसके इशारे पर हत्या हुई। सोशल मीडिया का जमाना है। यह घटना कानून-व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करती है। पुलिस अपराध नियंत्रण का दावा करती है। मुख्य मंत्री भी दावा करते हैं। काफी कुछ हुआ भी है। बड़ी संख्या में अपराधियों ने सरेंडर किया है। बहुत सारे राज्य को छोड़कर चले गए हैं। इसके बावजूद अपराध खत्म तो नहीं हो गया।रुक तो नहीं रहा है। हत्याऐ हो रही हैं, अपराध हो रहे हैं। अतीक के बेटे असद के एनकाउंटर के बाद सोशल मीडिया पर जिस तरह प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, वह भी ठीक नहीं है। यह सवाल उठ रहा है कि हम किस तरह के समाज का निर्माण कर रहे हैं। अपराधी का कोई जाति-धर्म नही होता। अपराधी का धर्म होता है पैसा और उसका आपराधिक साम्राज्य। जिस तरह सोशल मीडिया पर एक समूह खड़ा हो रहा है वह देश, समाज और धार्मिक भाइचारे के लिए ठीक नहीं है। सोशल मीडिया पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के समर्थन में नारे लगाए जा रहे हैं तो ओवैसी और अखिलेश यादव सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। यह एक हत्या थी। ज्यूडिशियल कमेटी का गठन भी किया गया है। अब यह देखने वाली बात है कि जांच में करता सामने आता है। वैसे मामला काफी पेचीदा रहेगा।

विवेक आर्यन, स्वतंत्र पत्रकार, शोधार्थी और डीएसपीएमयू में अथिति प्राध्यापक।

दैनिक द फोटोन न्यूज, के लिए प्रकाशित एवं स्वामित्व मां मीडिया वेंचर रोस्पा टावर, चौथा तल्ला, मेन रोड, रांची, शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट + थाना - रातू, जिला - रांची, झारखंड, पिन - 835222 से मुद्रित।
प्रधान संपादक - **फहीम अख्तर*** (M) +919431311669, RNI NO. आवेदित (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), website : www.thephotonnews.com, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

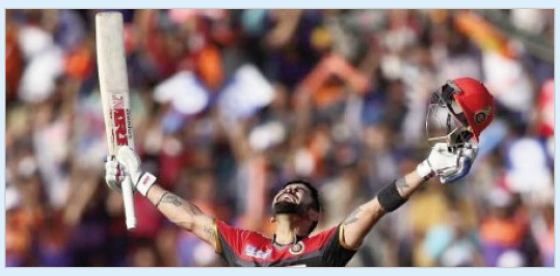

विराट एक मैच स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लागने वाले बल्लेबाज बने

बेंगलुरु । आईपीएल के 16 वें सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हुए मैच में अर्धशतकीय पारी खेलकर किसी एक मैच स्थल पर सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। कोहली ने घरेलू मैदान पर अपना 25वां टी20 अर्धशतक लगाकर यह रिकार्ड बनाय। इससे पहले यह रिकॉर्ड इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक्स हेल्स के नाम था। हेल्स ने नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में 24 अर्धशतक लगाये थे। विराट ने 33 गेंद में अपने पचास रन पूरे किये। आईपीएल के इस सत्र में इस स्टेडियम पर तीन मैचों में तीन अर्द्धशतक विराट के नाम पर हो गये हैं। उन्होंने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 44 गेंद पर 61 रन बनाने से पहले मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 82 रन बनाये थे। विराट के नाम एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में 22 अर्द्धशतक और तीन शतक हैं। इसी मैदान पर विराट ने अब तक 2,539 रन बनाए हैं, जिसमें 19 अर्द्धशतक और तीन शतक शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान जूनियर एशिया कप के एक ही पूल में

(एजेंसी)

चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान को पुरुष जूनियर एशिया कप 2023 के लिए एक ही ग्रुप में रखा गया है। यह टूर्नामेंट 23 मई से एक जून तक सालाह,ओमान में होना है। भारत और पाकिस्तान के पूल ए में जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे अन्य टीमें हैं। भारत और पाकिस्तान का ग्रुप चरण में 27 मई को मुकाबला होगा। ग्रुप बी में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेजबान ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान हैं। एशियाई हॉकी महासंघ ने यह घोषणा की है। ग्रुप चरण में खेलने के बाद हर ग्रुप से दो-दो शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी जो 31 मई को खेले जाएंगे जबकि फाइनल एक जून को होगा। मलेशिया को छोड़कर अन्य शीर्ष तीन टीमें जूनियर हॉकी विश्व कप में जगह बनाएंगी जो 5-16 दिसंबर तक कुआलालम्पुर, मलेशिया में खेला जाएगा। मेजबान होने के नाते मलेशिया को विश्व कप में सीधे ही प्रवेश मिल गया है। इस बीच जूनियर महिला एशिया दो से 11 जून तक जापान के काकमिगहारा में खेला जाएगा। भारत पूल ए में कोरिया, मलेशिया, चीनी ताइपे और उज्बेकिस्तान के साथ है जबकि ग्रुप बी में चीन, जापान, कजाखस्तान, हांगकांग और इंडोनेशिया हैं।

ब्राजील पैरा बैडमिंटनः प्रमोद भगत और सुकान्त कदम सेमीफाइनल में

(एजेंसी) प्रमुख भारतीय शटलर प्रमोद भगत और विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी सुकान्त कदम ने ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भगत और कदम दोनों एकल और युगल के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। प्रमोद ने पेरू के प्रेडो पाब्लो डी विनाटी को 30 मिनट में 21-7, 21-12 से पराजित किया। उनका सेमीफाइनल में जापान के डाइसके फुजिहारा से मुकाबला होगा। उन्होंने कदम के साथ युगल सेमीफाइनल में भी जगह बनायी है। हालांकि वह मिश्रित युगल के क्वार्टरफाइनल में हार गए। सुकान्त कदम को क्वार्टरफाइनल में हमवतन सुहास ललिनकेरे यतिराज को 29-27, 11-21, 21-17 से हराने में कड़ा संघर्ष करना पड़ा।

आईपीएल में आज सीएसके और आरसीबी में होगा अहम मुकाबला

बेंगलुरू ।

आईपीएल में सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) से होगा। इस मैच में आरसीबी का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान पर जीत दर्ज करना रहेगा। वहीं सीएसके भी इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है पर देखना होगा कि सीएसके के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी इस मैच में खेल पाते हैं कि नहीं। धोनी पिछले कुछ समय से घुटने की चोट से परेशान हैं। इस टूर्नामेंट की शुरुआत से ही धोनी अपने घुटने को लेकर परेशान हैं हालांकि इसके बाद भी वह हर मैच में उतरे हैं। आरसीबी और सीएसके इस मैच में जीत के लिए पूरी ताकती लगा देंगे। सीएसके के सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ और डेवोन कॉनवे ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं तीसरे नंबर पर अजिंक्य रहाणे भी अबतक प्रभावी रहे हैं हालांकि बीच के ओवरों में बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अंबाती रायुडू, शिवम दुबे और रविंद्र जडेजा जैसे बल्लेबाजों को भी इस मैच में पर्याप्त रहन बनाने होंगे। वहीं टीम का कमजोर पक्ष उसकी गेंदबाजी है। तेज गेंदबाज सिसांडा मगाला के नहीं खेलने से भी उसे झटका लगेगा। एक अन्य तेज गेंदबाज दीपक चाहर पहले ही बाहर हो गये थे। वहीं ऑराउंडर बेन स्टोक्स के भी इस महीने के अंत तक फिट होने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत से आरसीबी के हौंसले बुलंद हैं। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के लय में होने से भी टीम को लाभ होगा। कप्तान फाफ डुप्लेसी भी अब रन बना रहे हैं। आरसीबी की परेशान मध्यक्रम के बल्लेबाजों के रन नहीं बनाने से बढ़ रही है।

अब तक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने तेजी से रन बनाये हैं पर शाहबाज अहमद और महिपाल लोमरोर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी फिनिशर की भूमिका में विफल रहे हैं। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज का प्रदर्शन अच्छा रहा है पर डेथ ओवरों में हर्षल पटेल को बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। कुल मिलाकर देखा जाये तो प्रशंसकों को एक रोमांचक मैच देखने को मिलेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं –

चेन्नई सुपर किंग्स – एमएस धोनी (कप्तान),रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, एमएम अली, रविंद्र जडेजा, शिवम दुबे, एसएसबी मगला, टीयू देशपांडे, एम थीक्षणा, आकाश सिंह

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, एमके लोमरोर, जीजे मैक्सवेल, डब्ल्यू हसरंगा, शाहबाज़ अहमद, डब्ल्यूडी पार्नेल, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, एचवी पटेल, विजयकुमार वैशाक ।

सहवाग का बड़ा बयान, दिल्ली की खराब शुरुआत के लिए रिकी पोंटिंग को जिम्मेदारी लेनी चाहिए

नई दिल्ली ।

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 सीजन में टीम की खराब शुरुआत के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। दिल्ली की टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं हार के बाद सहवाग के ये शब्द आए हैं और वह अभी भी दस टीमों की अंक तालिका में सबसे नीचे है। सहवाग ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पहले कहा था कि पंजाब ने दिल्ली को चोट मार दी है। जब एक टीम जीतती है तो कोचों को श्रेय दिया जाता है, इसलिए जब टीम हारती है तो उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।' यहां तक कि हमने कई बार कहा कि पोंटिंग ने शानदार काम किया है, उन्हें फाइनल तक पहुंचाते हुए अब वे लगभग हर साल प्लेऑफ में पहुंचते हैं। उसने सारा क्रेडिट ले लिया, अब उसे यह भी लेना (हार का जिम्मा) होगा। विराट कोहली के 34 गेंदों में 50 रन के बाद बेंगलुरु को 174/6 पर ले जाने के बाद दिल्ली ने एक समय में 2/3 के स्कोर के बाद 20 ओवरों में 151/9 का ही स्कोर बना पाई। सहवाग ने अपने आईपीएल खेल के दिनों में दिल्ली फ्रेंचाइजी की कप्तानी की थी, ने टिप्पणी की कि डेविड वार्नर की अगुवाई वाली टीम टर्नअराउंड बनाने की कोशिश में भ्रमित नजर आ रही है।' यहां तक कि हमने भी कई बार कहा कि यह भारतीय टीम नहीं है जहां वे जीत का श्रेय लेते हैं और हार के लिए किसी और को दोषी ठहराते हैं। आईपीएल टीम में कोच की शून्य भूमिका होती है। उन्होंने कहा, 'बड़ी जिम्मेदारी मैन-मैनेजमेंट की है और खिलाड़ियों को वह आत्मविश्वास देना है, लेकिन अंत में एक कोच तभी अच्छा दिखता है जब टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, जो दिल्ली ने बिल्कुल नहीं किया है। मुझे लगता है कि दिल्ली उस बिंदु पर पहुंच गई है जहां वे हैं।' इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें अपनी तकदीर बदलने के लिए क्या करना चाहिए।'

रजत पाटीदार को सर्जरी के लिए इंग्लैंड भेजेगी बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि आईपीएल में आरसीबी की ओर से खेल रहे रजत पाटीदार की एड़ी में चोट लगी है जिसके इलाज के लिए उन्हें इंग्लैंड भेजा जाएगा बीसीसीआई के अनुसार रजत की मेडिकल जांच में पाया गया है कि उनकी एड़ी की सर्जरी जरुरी है। रजत इसी चोट के कारण ही आईपीएल से भी बाहर हो गये हैं। बीसीसीआई ने यह भी कहा कि बोर्ड रजत की सर्जरी कराने के साथ ही उसमें आने वाला पूरा खर्च भी उठाएगा। एक बोर्ड अधिकारी ने कहा कि रजत पाटीदार को केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिल है पर वह एक टार्गेटेड खिलाड़ी है और हमारा प्रयास उनका बेहतर से बेहतर इलाज कराना है। रजत को इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भी शामिल किया गया था पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। वहीं इसे बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने अपने एक कहा था, रजत एड़ी की चोट के कारण आईपीएल 2023 से बाहर हो गये हैं पर हम उम्मीद करेंगे कि वह शीघ्र ही ठीक हो जाए। हम इस दौरान उनका साथ देंगे। रजत ने गत वर्ष हुए आईपीएल में आरसीबी की ओर से प्लेऑफ में तूफानी शतक लगाकर सभी का ध्यान खींचा था। रजत चोटिल होने के बाद नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) बेंगलुरु में रिहैब के लिए गये थे। यहां उनका इलाज मेडिकल टीम की निगरानी में हुआ था पर ठीक नहीं होने के बाद उन्हें अब आगे के इलाज के लिए इंग्लैंड भेजा जा रहा है।

गावस्कर बोले, मेरे गलत कैच के कारण रणजी में शतक नहीं लगा पाये थे चुन्नी दा

कोलकाता ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने स्वीकार किया है कि उनके एक गलत कैच के कारण ही चुन्नी गोस्वामी रणजी ट्रॉफी मैच में अपना शतक नहीं लगा पाये थे। गोस्वामी इसके बाद क्रिकेट छोड़कर फुटबॉल खेलने लगे और वह भारतीय टीम के कप्तान भी बने। अपनी कप्तानी में भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने वाले गोस्वामी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेला था। पूर्व कप्तान गावस्कर ने इस दिग्गज फुटबॉलर के नाम पर मोहन बागान के मुख्य द्वार का उद्घाटन करते हुए कहा कि मेरे गलत कैच लेने के कारण ही गोस्वामी शतक नहीं लगा पाये थ। एशियाई खेल 1962 में भारतीय टीम की जीत में गोस्वामी ने अहम भूमिका निभाई थी। गावस्कर ने कहा, '' मुझे गोस्वामी के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में 1968-69 सत्र में खेलने का अवसर मिला था। अब मैं इतने साल के बाद यह बात स्वीकार करना चाहता हूं कि मैंने उन्हें गलत तरीके से 96 पर आउट किया था।' उन्होंने कहा, '' मैंने स्लिप में जो कैच पकड़ा था वह टप्पे के बाद आया था। मैं इस गलत कैच स्वीकार करता इससे पहले ही मेरे एक साथी ने खुशे से मुझे गले लगाया और कहा 'सनी नहीं, यह अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है हमें उसे आउट करना होगा।' तब चुन्नी को पवेलियन लौटना पड़ा। अगर ऐसा नहीं होता तो वह शतक बनाने में सफल हो गये होते।''

गावस्कर ने कहा, ''मैंने इसे कई साल बाद चुन्नी दा के सामने इसे स्वीकार किया। तब उन्होंने कहा कि 'आपके खिलाफ शतक बनाना मेरा सौभाग्य नहीं था'। वह ऐसे ही थे। मेरे पास उनकी कई अच्छी यादें हैं। इस मौके पर यहां मौजूद रहना सम्मान की बात है।'' गोस्वामी ने 1956 से 1964 के बीच 50 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेले, जिसमें 1960 का रोम ओलंपिक भी शामिल है। वहीं क्रिकेट में उन्होंने बंगाल की ओर से 46 प्रथम श्रेणी मैच खेले।

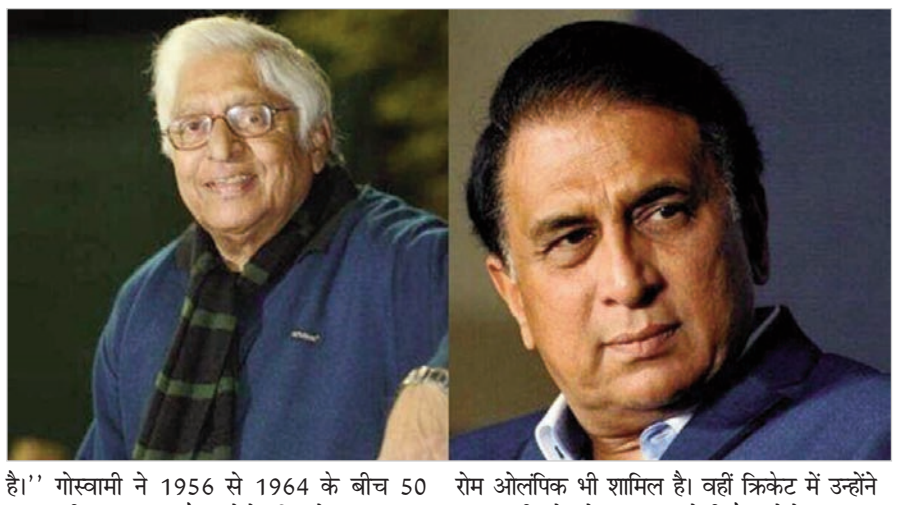

संक्षिप्त समाचार

सचिन के बेटे अर्जुन ने किया आईपीएल डेब्यू

केकेआर के खिलाफ उतरे

मुम्बई (ईएमएस)। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आंखिरकार आईपीएल में डेब्यू का अवसर मिल ही गया। 23 साल के अर्जुन तेज गेंदबाज होने के साथ ही एक अच्छे बल्लेबाज भी हैं। मुम्बई इंडियंस ने अर्जुन को उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स अपने अंतिम ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल किया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने उन्हें इंडियंस की कैप पहनायी। अर्जुन को अरशद खान की जगह रखा गया है। इस तेज गेंदबाज को 30 लाख रुपए के आधारमूल्य पर मुंबई ने खरीदा था। पहले के आईपीएल में उन्हें एक बार भी खेलने का अवसर नहीं मिला था। अर्जुन को पिछले साल दिसंबर में मुंबई की शुरुआती रणजी ट्रॉफी टीम में भी शामिल किया गया था। अर्जुन निचले क्रम के बल्लेबाज़ भी हैं, उन्होंने 2019 में इंग्लैंड में एमसीसी यंग क्रिकेटर्स के लिए खेला था। उन्होंने मुंबई में अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत की। अर्जन ने इस सत्र में गोवा की ओर से सात रणजी ट्रॉफी खेलों में 12 विकेट लिए। इस दौरान इस ऑलराउंडर ने अपनी बल्लेबाजी क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया और अपना पहला प्रथम श्रेणी शतक बनाया। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सात मैचों में 10 विकेट रहा है।

अर्जुन इस मैच से पहले अपने पिता सचिन के साथ अभ्यास सत्र में भाग लेते हुए भी दिखे थी। इस मैच में भाई अर्जुन का हौंसला बढ़ाने उनकी बहन सारा भी स्टेडियम में नजर आयीं।

राहुल कप्तानी से दबाव में नहीं आते : रोड्स

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाइंट्स के क्षेत्ररक्षण कोच जोंटी रोड्स ने कप्तान लोकेश राहुल की सराहना करते हुए कहा है कि वह कभी भी कप्तानी के भार से परेशान नहीं होता। राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में अर्धशतकीय पारी खेली थी हालांकि इसके बाद भी उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। राहुल ने इससे पहले पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की थी और रोड्स तब सहयोगी स्टाफ में शामिल थे। रोड्स ने कहा, 'कप्तान वह है जो आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद करता है। वह सभी आईपीएल में हमेशा एक सफल, दबदबा बनाने वाला बल्लेबाज रहा है। कप्तानी ऐसी चीज जो न उसपर हावी होती है और न ही वह दबाव में आता है। उन्होंने साथ ही कहा, 'कई महान बल्लेबाजों को जब कप्तानी दी जाती है तो वे इसे संभाल नहीं पाते हैं जबकि राहुल ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और मुझे यह देखकर खुशी हुई है।। राहुल हालांकि इस सत्र में इस मैच से पहले रन नहीं बना पाये थे। रोड्स ने कहा, 'जब कप्तान रन बना रहा होता है तो वह दूसरों को भी प्रेरित करता है। हम हमेशा से जानते थे कि वह लय हासिल करने से केवल एक पारी दूर है। वह नेट में शानदार बल्लेबाजी कर रहा है।

88 साल की बुजुर्ग प्रशंसक से धोनी को मिला प्यार और आशीर्वाद

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के देश ओर दुनिया भर में प्रशंसक हैं। खेल से उनके संन्यास के बाद भी प्रशंसकों की दीवानगी कम नहीं हुई है। उनके प्रशंसक हर उम्र के लोग हैं। जिनमें बच्चों के लेकर उम्रदराज लोग भी शामिल हैं। इसका एक ओर उदाहरण यहां आईपीएल मैच के दौरान दिखा। यहां आईपीएल में धोनी ने अपनी सबसे बुजुर्ग प्रशंसक से मुलाकात की। जिसके बाद 88 साल की बुजुर्ग महिला के साथ धोनी की तस्वीरें सामने आयी हैं। ये बुजुर्ग महिला अभिनेत्री और भाजपा नेता खुशबू सुंदर की सास हैं। खुशबू नेता ने ट्विटर पर धोनी और उनकी सास की कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें खुशबू की 88 वर्षीय सास धोनी पर प्यार लुटाती और उन्हें आशीर्वाद देती नजर आ रही हैं। खुशबू ने धोनी को लेकर ट्विटर पर लिखा, 'हीरो बनाए नहीं जाते बल्कि वे पैदा होते हैं और धोनी यह साबित करते हैं। मेरे पास उनकी प्रशंसा के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने मेरी 88 साल की सास से मुलाकात की। वह धोनी की प्रशंसक हैं। साथ ही लिखा माही, आपने उनके जीवन में अच्छे स्वास्थ्य और खुशियों से कई और साल जोड़ दिए हैं। इसके लिए आपको मेरा प्रणाम। इसके साथ ही इस मुलाकात के लिए मैं सीएसके की भी आभारी हूं।' वहीं आरसीबी के आक्रामक बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स भी धोनी के प्रशंसक हैं। उन्होंने भी धोनी को 'ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' करार दिया। आईपीएल के इस 16वें सत्र को धोनी को अंतिम सत्र माना जा जा रहा है। अटकलें हैं कि इस सत्र के बाद वह आईपीएल भी नहीं खेलेंगे।

हार्दिक पांड्या ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा आगे का सोचते हैं : कैफ

अहमदाबाद। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि गुजरात टाइटन्स के कप्तान हार्दिक पांड्या बीते हुए कल को लेकर ज्यादा विचार नहीं करते, जो उनकी टीम को सकारात्मकता प्रदान करता है। कैफ ने स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम क्रिकेट लाइव पर कहा, 'हार्दिक पांड्या ऐसे कप्तान हैं जो हमेशा आगे का सोचते हैं, वह बीती बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। वे मैच हार गए और इससे बाहर भी आ गए। अब वे एक नए मैच के लिए तैयार हैं। यह टीम काफी सकारात्मक है। यह टीम अपने अच्छे प्रदर्शन को बनाये रखना चाहती है, क्योंकि जब आप खिताब का बचाव करने के लिये खेल रहे होते हैं, तो आपको अच्छे प्रदर्शन की आवश्यकता होती है। कैफ ने जहां गत चैंपियन गुजरात के कप्तान की तारीफ की, वहीं यूसुफ पठान ने गत उपविजेता राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह रॉयल्स का शानदार तरीके से नेतृत्व कर रहे हैं। यूसुफ ने कहा, 'आईपीएल 2023 में राजस्थान रॉयल्स एक बहुत मजबूत टीम दिख रही है। यह टीम इस सीजन में भी बेहतरीन क्रिकेट खेल रही है। उनकी बल्लेबाजी काफी मजबूत नजर आ रही है। उनके पास गुणवत्तापूर्ण गेंदबाज हैं। संजू सैमसन एक महान कप्तान की तरह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं।''

अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट से खेल का स्तर और बेहतर हुआ : वायुसेना प्रमुख

चंडीगढ़। वायुसेना प्रमुख वीआर चौधरी ने कहा है कि अर्जन सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट उम्मीदों के अनुसार ही अपने लक्ष्य को पूरा करने में सफल रहा है। इस टूर्नामेंट के फाइनल में रेलवे ने चंडीगढ़ एकादश को 5-4 से हराया है। वायुसेना प्रमुख चौधरी ने कहा कि इस टूर्नामेंट से हॉकी को और बेहतर बनाने में सफलता मिली है। उन्होंने कहा 'मार्शल ऑफ द इंडियन एयर फोर्स अर्जन सिंह मेमोरियल' हॉकी टूर्नामेंट से इस खेल को हम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार और प्रतिस्पर्धी स्तर तक ले जाने में सफल रहे हैं। वायुसेना प्रमुख ने कहा, ''यह जानकर खुशी हो रही है कि पिछले कुछ साल में इसमें भाग ले रहीं टीमों के खेल मानकों और कौशल के स्तर में बढ़त आई है। यह टूर्नामेंट हॉकी के खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्तर तक ले जाने में सफल रहा है।'' चौधरी टूर्नामेंट के चौथे चरण के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे थे। चौधरी ने रेलवे और चंडीगढ़ एकादश दोनों टीमों को रोमांचक फाइनल खेलने के लिये बधाई दी। इस करीबी मैच में रेलवे ने 5-4 से जीत दर्ज की।

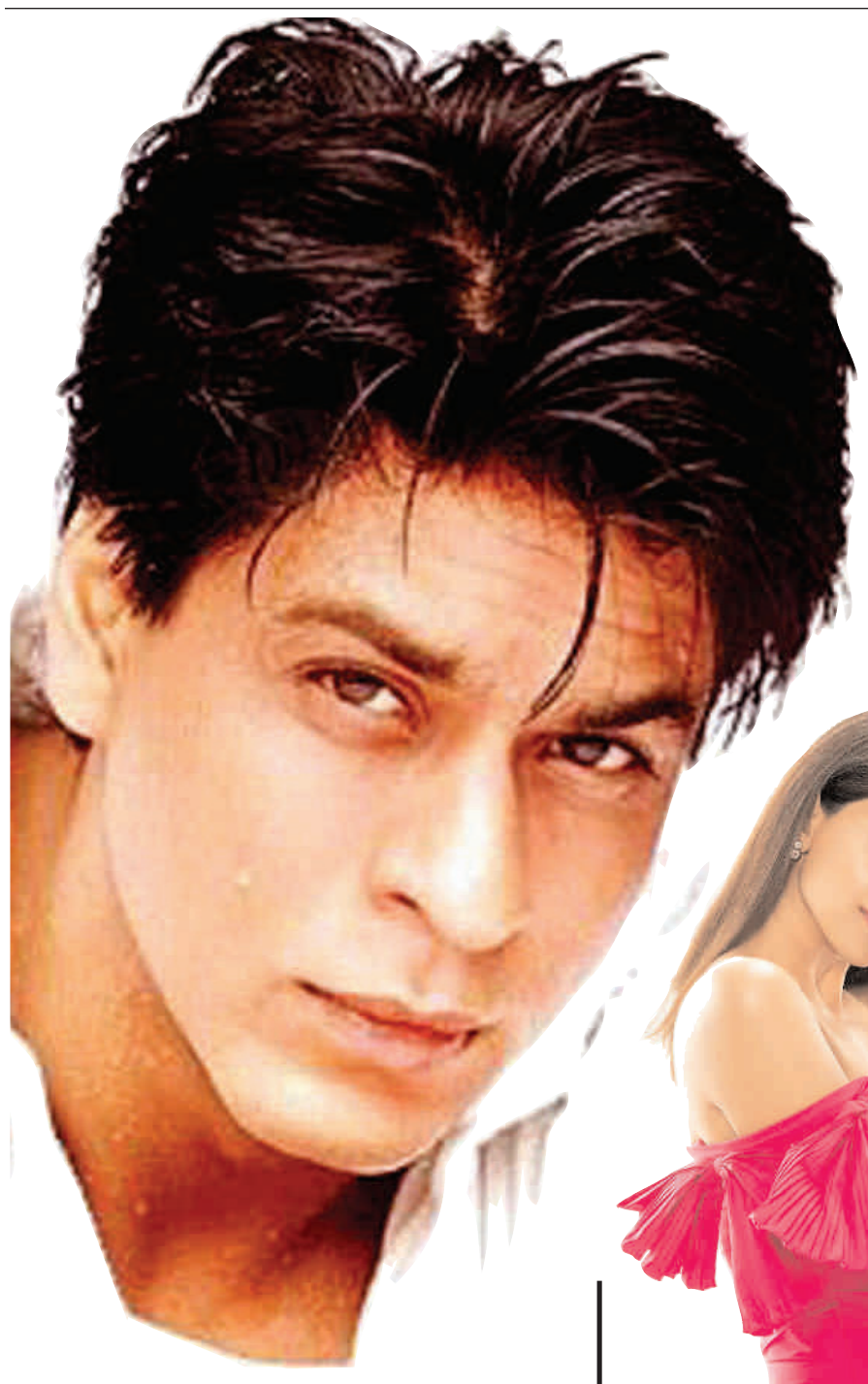

सलमान ने बताया कौन है उनका फेवरेट क्रिकेटर

हर साल की तरफ इस बार भी लोगों में आईपीएल का क्रेज देखे को मिल रहा है। वहीं स्टार स्पोर्ट्स एक बार फिर अपने दर्शकों के लिए क्रिकेट और मनोरंजन का भरपूर डोल लेकर आ गया है। इस वीकेंड स्टार स्पोर्ट्स के स्पेशल शो क्रिकेट लाइव पर बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान बतौर गेस्ट नजर आने वाले हैं। यहां वह अपनी मचअवेटेड फिल्म किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन के लिए आ रहे हैं, जो इस ईद यानी 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं इस शो का एक बीटीएस वीडियो जारी किया गया है, जो बेहद मजेदार है। वीडियो में सलमान छोटे बच्चों के साथ मजाक मस्ती करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतनी ही नहीं उन्होंने ये भी बताया कि बएमएस धोनी उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं। इसके अलावा सलमान ने विराट कोहरली का उदाहरण देते हुए उन्हें काफी मेहनती प्लेयर भी बताया। इस बीटीएस में सलमान खान ने बताया कि एमएस धोनी उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं।

शहनाज गिल ने क्यों ब्लॉक किया था सलमान का फोन नंबर?

शहनाज गिल बॉलीवुड एक्टर सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही है. फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और पूरी टीम मूवी के प्रमोशन में लगी हुई है. जल्द ही टीम द कपिल शर्मा शो में नजर आने वाले है. इस दौरान सेट पर सब खूब मस्ती करते दिखेंगे. शो में शहनाज ने खुलासा किया कि उन्होंने एक बार सलमान का फोन नंबर ब्लॉक कर दिया था. बिग बॉस 13 में शहनाज गिल नजर आई थी और तब से ही सलमान खान और उनके बीच काफी अच्छी बॉन्डिग हो गई थी. ये बॉन्डिग अभी तक बरकरार है. कपिल शर्मा शो में किसी का भाई किसी की जान की पूरी टीम आई. शो में शहनाज ने बताया कि अनजाने में उसने सलमान का नंबर ब्लॉक कर दिया था. एक्ट्रेस ने बताया ये तब हुआ जब सलमान उन्हें फिल्म में रोल देने के लिए कॉल कर रहे थे. शहनाज गिल ने बताया कि, जब उन्हें सलमान खान ने कॉल किया था, तब वह अमृतसर में थी. सलमान का कॉल आया तो वो एक अनजान नंबर शो कर रहा था. एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अनजान नंबर ब्लॉक करने की आदत है तो मैंने ऐसा ही किया. कुछ मिनट बाद मुझे मैसेज आया कि सलमान सर मुझे कॉल करने की कोशिश कर रहे हैं. ये चेक करने के लिए मैंने ट्रूकॉलर ऐप पर नंबर डाला और पता चला कि यह सच में वो मुझे कॉल कर रहे थे! मैंने उन्हें अनब्लॉक किया और वापस कॉल किया.

बॉलीवुड कैंप की वजह से 2 साल तक बेरोज़गार रहीं आहना कुमरा

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में बॉलीवुड पर दिए अपने ब्यान से सभी को चौंका दिया था। एक्ट्रेस ने बड़ी हिम्मत दिखाकर बॉलीवुड गैंग द्वारा अपने साथ हुए बर्ताव का खुलासा किया था। इस दौरान सभी के सामने बॉलीवुड का काला चिटठा सामने आ गया। प्रियंका चोपड़ा के खुलासे के बाद कई सितारों ने उनका साथ दिया और कुछ लोगों ने उनसे इंस्पायर होकर अपनी आप-बीती भी दुनिया को सुनाई। वहीं, अब इस लिस्ट में एक नया नाम शामिल हुआ है। अब एक्ट्रेस आहना कुमरा ने भी बॉलीवुड कैंप पर बात की है। किसी भी कैंप का हिस्सा न होने पर आहना कुमरा को क्या-क्या सहना पड़ा अब उन्होंने उसपर खुलकर बात की है। आहना कुमरा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा कि वो फिलहाल किसी प्रोजेक्ट के लिए देहरादून में शूट कर रही हैं लेकिन पिछले 2 सालों से उन्हें कोई काम नहीं मिला है और ना ही उन्हें किसी रोल के लिए कोई ऑफर दिया गया है। आहना कुमरा ने ये भी कहा कि जो एक्टर या एक्टेस किसी कैंप के साथ लगातार रहते है, उनको बार-बार काम मिलता है। एक्ट्रेस ने कहा कि वो किसी कैंप का हिस्सा नहीं है।

दुनिया के 100 प्रतिभाशाली व्यक्तियों में शामिल हुए शाहरुख

नई दिल्ली। बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान का क्रेज पूरी दुनिया में देखने को मिलता है। एक्टर के फैंस भारत ही नहीं दुनियाभर में मौजूद है। वहीं साउथ के मशहूर निर्देशक एस एस राजामौली भी अपनी फिल्म आरआरआर से विश्वभर में अपनी पहचान बना चुके हैं। ऐसे में टाइम मैगजीन ने दुनियाभर के 100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट जारी कर दी है। इस प्रतिष्ठित लिस्ट में शाहरुख खान और निर्देशक एस एस राजामौली ने जगह बनाई है।

100 सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की लिस्ट में शाहरुख खान

टाइम मैगजीन की लिस्ट में लेखक सलमान रूश्दी और टीवी होस्ट व जज पद्मा लक्ष्मी ने भी जगह बनाई है। शाहरुख खान के नाम यह उपलब्धि जुड़ने पर पठान में उनकी को स्टार दीपिका पादुकोण ने एक्टर की जमकर तारीफ की है। एक्ट्रेस ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए जिसे वह बहुत करीब से जानती हैं और उनकी करीब से देखभाल करता है, 150 शब्द शाहरुख खान के लिए न्याय नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि शाहरुख को हमेशा के लिए ग्रेट एक्टर्स के रूप में जाना जाएगा।

एसएस राजामौली ने भी बनाई जगह

दुनियाभर में अपने नाम का डंका बजाने वाले साउथ डायरेक्टर एसएस राजामौली ने भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। इस मौके पर आलिया भट्ट ने उनके लिए लिखा, आरआरआर निर्देशक दर्शकों की नब्ज पहचानते हैं, वह जानते हैं कि क्या हिट करना है। एक्ट्रेस ने आगे लिखा मैं उन्हें मास्टर स्टोरीटेलर मानती हूं क्योंकि वह असल में कहानियों की शैली और उनके कहने के तरीके से प्यार करते हैं। विविधताओं से भरे भारत को वह एक साथ लाने का काम करते हैं।

भाबी जी घर पर हैं बीच में छोड़ने का रिस्क नहीं ले सकता

फेमस सिटकॉम 'भाबी जी घर पर हैं' ने छोटे पर्दे पर 8 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर मनमोहन तिवारी का किरदार निभाने वाले रोहिताश गौड़ ने शो की सक्सेस के बारे में बात की है। उन्होंने बताया है कि शुरुआत में किसी को भी उम्मीद नहीं थी, कि यह शो इतने लंबे समय तक चल सकेगा। बातचीत के दौरान रोहिताश ने कहा कि उनका शो जॉनी लीवर, प्रेम चोपड़ा, पंडित बिरजू महाराज समेत कई बड़े सेलेब्रिटीज को पसंद आया है। इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि बतौर एक्टर वो अलग-अलग किरदार ट्राई करना चाहते हैं, लेकिन वो शो को बीच में छोड़ने का रिस्क नहीं ले सकते हैं।

धर्मेंद्र जी की फैमिली और राजकुमार हिरानी तक यह शो देखते हैं

बातचीत के दौरान रोहिताश ने कहा- 'जॉनी जी ने मुझे फोन किया था और उन्होंने मेरे बारे में और जानना चाहा। सलमान खान ने आसिफ भाई को फोन किया था, वो कह रहे थे, पहली बार कोई टीवी शो देख रहा हूं। यहां तक कि धर्मेंद्र का परिवार और राजकुमार हिरानी जी भी हमारा शो देखते हैं। सभी ने शो को हमेशा पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया है। ऑडियंस से हमें जो प्यार मिल रहा है, उसने न केवल हमें बल्कि राइटर्स को भी और ज्यादा जिम्मेदार बना दिया है। सवाल किया गया कि क्या 8 सालों से काम करते-करते कभी आपको एक जैसा महसूस हुआ? इस पर रोहिताश ने कहा- 'बिल्कुल ऐसा होता है, बतौर एक्टर आपको हमेशा ज्यादा काम करने की इच्छा होती है। खासकर तब जब आप देखते हैं कि आपके साथ वाले लोग इंडस्ट्री में इतना अच्छा काम कर रहे हैं।

आपको इच्छाओं पर काबू करना चाहिए

रोहिताश ने आगे कहा -मुझे एहसास हुआ कि कमिटमेंट मेरे लिए बड़ी चीज है। मैं शो को बीच में नहीं छोड़ सकता हूं। इसके अलावा यह सिटकॉम है, इसमें कहानी बदलती रहती है। हमें हर रोज कुछ नया करने को मिलता है। अब जो इतनी खूबसूरत यात्रा रही है, तो मैं फिजूल में फ्लो या बैलेंस को क्यों खराब करूं?

मैं पैसों का फ्लो रुकने का रिस्क नहीं ले सकता

रोहिताश ने आगे कहा- मैं इमोशनली या फाइनेंशियल इनकम के रेगुलर फ्लो को खोने का जोखिम नहीं उठाना चाहता। हमें पैसे कमाने की आदत हो जाती है, जो कि एक अच्छी रकम होती है। मुझे इस बात का विश्वास होने लगा है कि शायद यही होना है, जिससे मुझे आगे बढ़ने में संतुष्टि मिलती है।

मैंने जो शोज किए हैं, वो सभी सालों तक चले हैं

फिल्मों में न जाने की वजह बताते हुए रोहिताश ने कहा- हर कोई कहता है जब तक लीड रोल ना मिले, बात नहीं बनती। यह आम बात है। अगर आप लीड रोल निभाते हैं, तभी आपको ज्यादा लोकप्रियता मिलती है। इसके अलावा सौभाग्य से मैंने जो शोज किए हैं, वो सभी सालों तक चले हैं और इस तरह मेरे पास कभी फिल्मों में जाने और आगे बढ़ने का समय नहीं मिला।

राखी ने ट्रोल्स को दिया मुंहतोड़ जवाब

बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत को उनके खराब ड्रेसिंग सेंस को लेकर ट्रोल किया गया था, जिस पर राखी ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत अपने किसी न किसी बयान को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में राखी को उनके खराब ड्रेसिंग सेंस को लेकर ट्रोल किया गया था, जिस पर राखी ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। राखी को ब्लैक ट्रांसपेरेंट टॉप के साथ ब्लैक ब्रालेट और ब्लैक लेदर आउटफीट में एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा, मेरी ड्रेस है गालियां खाने वाली, पहले लोग गालियां देते हैं फिर तालियां... राखी ने आगे कहा कि चलो शुरू हो जाओ जल्दी जल्दी, गालिया दो। उन्होंने आगे कहा कि बोलो यह कैसी ड्रेस पहनी है हेटर्स पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि हमें किसी के भाड़े के दिए हुए दुपट्टे और साड़ी नहीं पहननी है। बता दें कि हाल ही में एक्ट्रेस का नमाज पढ़ते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसकी वजह से उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इस वीडियो में राखी नमाज पढ़ते वक्त उपर से नीचे तक पूर ढकी नजर आ रही हैं, लेकिन इस बीच उनकी पेंट की लेंथ थोड़ी ऊंची होने की वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया गया था।

तारक मेहता की बबीता जी को हो गया है प्यार!

लेटेस्ट एपिसोड में हम देख रहे हैं कि बबीता जी लकी कूपन में 10 लाख की गाड़ी जीत चुकी है. वहीं जेठालाल से वह कहती हैं कि उनका सपना पूरा हो गया है, वहीं जेठालाल भी उनको गाड़ी दिलाने में पूरी मदद कर रहा है. बता दें कि मुनमुन दत्ता इस समय लंबे समय तक चलने वाले और बेहद सफल सिटकॉम तारक मेहता का उल्टा चश्मा में नजर आ रही हैं. इससे पहले वह हम सब बाराती जैसे दूसरे शोज का हिस्सा रह चुकी हैं. वह सीआईडी, इंडियन आइडल 10, कौन बनेगा करोड़पति 13, बिग बॉस 15 और अन्य शो में अतिथि के रूप में भी दिखाई दी हैं. उन्होंने मुंबई एक्सप्रेस (2005), हॉलिडे (2006), ढिंचैक एंटरप्राइज (2015) और द लिटिल गॉडेस (2018) सहित फिल्मों में भी काम किया है.

अनुपमा ने महिलाओं को खुद के लिए खड़ा होना सिखाया

अभिनेत्री रूपाली गांगुली का कहना है कि राजन शाही द्वारा बनाए गए उनके शो अनुपमा ने देश में काफी हलचल मचा दी है। एक्ट्रेस का कहना है कि शो की वजह से महिलाओं ने खुद के लिए खड़ा होना सीखा है। अनुपमा इस देश में एक बड़ी सांस्कृतिक भूमिका निभाती हैं क्योंकि ऐसी कई महिलाएं हैं जो आती हैं और कहती हैं कि उन्होंने आत्म-प्रेम सीखा है। ये बहुत बड़ी बात है क्योंकि हम तो सिर्फ चेहरे हैं लेकिन शो बनाने वाले शख्स हैं राजन शाही। ये उनका विजन और उनका कॉन्फिडेंस ही है कि वो एक 42 साल की महिला को पर्दे पर लेकर आए। वह उसके जरिए अनुपमा नाम का एक शो लेकर आए। वह एक गृहिणी की कहानी लेकर आए जो अपने ससुराल वालों, पति और बच्चों से बहुत निराश थी। इस समय इस कहानी को लाने के लिए, राजन जी ने एक बहुत बड़ा जोखिम उठाया, वह कहती हैं। वह आगे कहती हैं, ऐसी चीजें हैं जो हमने कही हैं जैसे हमें छोटे विक्रेताओं के साथ सौदेबाजी नहीं करनी चाहिए और मुझे लगता है कि वह क्लिप वायरल हो गई। फिर इस शो के माध्यम से एक तरह से संस्कार, संस्कृति, पूजा का महत्व बताया जाता है तो यह सब राजन जी का काम है।

सनी की फिल्म कैनेडी का कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में होगा प्रीमियर

जी स्टूडियोज और गुड बैड फिल्म्स की फिल्म कैनेडी अनुराग कश्यप की एक पुलिस नोयर फिल्म है। फिल्म की कहानी एक अनिद्रापीड़ित -पुलिस के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे लंबे समय से मरा हुआ समझा गया है, लेकिन वह अभी भी भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ काम कर रहा है, और मोचन की तलाश कर रहा है। फिल्म में राहुल भट्ट और सनी लियोनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल 2023 में मिडनाइट स्क्रीनिंग सेक्शन के लिए चुना गया है। फिल्म की घोषणा करते हुए, ज़ी स्टूडियोज के सीबीओ, शारिक पटेल ने कहा, अनुराग कश्यप के साथ काम करना हमेशा एक रोमांचक अनुभव रहा है, और मुझे यकीन है कि यह पुलिस नोयर ड्रामा सभी का मनोरंजन करेगा। उन्होंने कहा, कैनेडी के साथ, हम भारतीय कहानियों को विश्व स्तर पर बताने की अपनी प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि कर रहे हैं; क्योंकि यह फेस्टिवल डे कान्स के 76वें संस्करण में मिडनाइट स्क्रीनिंग सेक्शन में प्रीमियर के लिए पूरी तरह तैयार है। अनुराग कश्यप ने कहा, यह एक ऐसी फिल्म और शैली है जिसे मैं हमेशा से एक्सप्लोर करना चाहता था। यह नोयर की तुलना में अधिक ध्रुवीय है, जो पैट्रिक मैनचेट के अपराध लेखन और जैक्स टार्डी के साथ उनकी कॉमिक बुक सहयोग और मेलविले के सिनेमा से प्रेरित है। उन्होंने कहा, यह एक गहरा व्यक्तिगत अपराध/पुलिस ड्रामा भी है और मैं ज़ी स्टूडियोज, शारिक और टीम, नीरज, भूमिका, मेरे निर्माता रंजन, कबीर और कवन, मेरी पूरी टीम, अपराध में मेरे साथी सिल्वर, काज़िवन, प्रशांत का बहुत आभारी हूं जिन्होंने मुझे आकार देने में मदद की। राहुल भट्ट जिन्होंने फिल्म को 8 महीने दिए, सनी लियोनी जिन्होंने इस चुनौती को स्वीकार किया, मोहित टकलकर मैं इन सभी का आभारी हूं। कैनेडी राहुल भट्ट और सनी लियोनी अभिनीत अनुराग कश्यप द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म है। फिल्म का निर्माण जी स्टूडियोज, रंजन सिंह और कबीर आहूजा ने किया है।